हरिभूमि

जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 22 मार्च 2026

तापमान

अधिकतम 28 .3 डिग्री
न्यूनतम 11 .0 डिग्री

12 मुस्लिम समाज के लोगों ने धूमधाम से मनाई ईद

12 भाजपा-कांग्रेस मिलकर प्रदेश को कर रही हैं बर्बाद : बड़शामी

खबर संक्षेप

कार्यालय पर फायरिंग करने वाले तीन पकड़े

पानीपत। असंध रोड अनेजा पेट्रोल पंप के पास स्थित हरीश कुमार निवासी शांति नगर व इसके ममेरे भाई गौरव मिगलानी का हॉस्ट फोरेक्स प्राइवेट लिमिटेड (मनी एक्सचेंज) के ऑफिस पर फायरिंग कर जानलेवा हमला करने वाले तीन आरोपियों संदीप निवासी कबीरपुर व कुनाल निवासी गांव रोहणा जिला सोनीपत और कृष्ण निवासी कोटा मोहल्ला को सीआईए वन व सोनीपत एसटीएफ की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया। आरोपियों ने पानीपत के ही एक गांव के विदेश में निवास कर रहे दो युवकों के कहने पर दहशत फैलाने के लिए मनी एक्सचेंज के ऑफिस पर फायरिंग की थी।

दो दुकानों से हजारों रुपये का सामान चोरी

यमुनानगर। शहर की छोटी लाइन निवासी विनय कुमार ने सिटी पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी शहर के रादौर रोड स्थित अशोक मार्केट में दुकान है। चोरों ने 19 मार्च की रात को दुकान का ताला तोड़कर पांच हजार रुपये, मोबाइल, दो पेटी चॉकलेट तथा उसके पड़ोसी नितिन गर्ग की दुकान से एक पेटी बीडी, एक कट्टा अंशुल तंबाकू का चोरी कर लिया। सुबह जब वह दुकान पर पहुंचे तो उन्हें दुकान के लगे ताले टूटे मिले और अंदर सामान गायब था। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

ज्वेलर्स की दुकान से चांदी की अंगूठियां चोरी

यमुनानगर। शहर की शांति कॉलोनी स्थित अभिषेक ज्वेलर्स की दुकान से चोरों ने काउंटर के अंदर रखा चांदी की अंगूठियों का बॉक्स चोरी कर लिया। बॉक्स में करीब 25 चांदी की अंगूठियां थी। शांति कॉलोनी निवासी अभिषेक ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी कॉलोनी में ही अभिषेक ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। 11 मार्च को दोपहर 12 बजे वह दुकान बंद करके किसी काम से बाहर गया था। रात को नौ बजे जब वह वापस लौटा तो उसकी दुकान के अंदर काउंटर में रखा चांदी की अंगूठियों का बॉक्स गायब मिला।

जनगणना-2027 का ट्रॉयल शुरू एक मई से शुरू होगा कार्य

जनगणना प्रशिक्षण के बाद फील्ड में उतरे अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

जनगणना-2027 के पहले चरण यानी मकान सूचीकरण के कार्य को करने वाले प्रगणकों और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षत करने वाले सभी 34 फील्ड ट्रेनर का 3 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आखिरी चरण में पहुंच गया। प्रशासन ने जनगणना निदेशालय के दिशा-निर्देशों की अनुपालना में सभी फील्ड ट्रेनर्स ने प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ट्रायल करवाया गया ताकि इन सभी को जमीनी स्तर पर किए जाने वाले कार्य को स्वयं करके पूरा किया जाए।

- 34 फील्ड ट्रेनर्स को दिया जा रहा है प्रशिक्षण, प्रगणकों और सुपरवाइजरों को किया जाएगा प्रशिक्षित

फील्ड ट्रायल को जिलाधीश अजय सिंह तोमर के निर्देशन में सफलतापूर्ण पूरा किया गया। बता दें कि पूरे जिले में जनगणना का कार्य 1 मई से 30 मई 2026 तक मुख्य रूप से 1943 प्रगणकों और 323 सुपर वाइजरों के द्वारा किया जाना है। इसमें नगर निगम के कार्यालय के कर्मचारी भी शामिल हैं। इन सभी का तकनीकी दृष्टिकोण से प्रशिक्षित होना अति अनिवार्य हैं। इन प्रगणकों और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षत करने वाले फील्ड ट्रेनर्स का गहनता से प्रशिक्षित होना अधिक अनिवार्य है ताकि फील्ड में घर-घर जाकर कार्य करने में इन लोगों को कोई दिक्कत न आए। इस बार की जनगणना मोबाइल एप्प के माध्यम से की जानी है। इससे आंकड़े साथ ही प्राप्त होते रहेंगे। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही कई योजनाएं बनाई जानी हैं।

अंबाला। ट्रायल के तौर पर जनगणना का कार्य करते फील्ड अधिकारी।

प्रशिक्षण 6 से 22 अप्रैल तक चार्ज स्तर पर चलेगा

प्रगणकों और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण 6 से 22 अप्रैल 2026 तक चार्ज स्तर पर चलेगा। यही फील्ड ट्रेनर्स चार्ज स्तर पर सभी नियुक्त होने वाले प्रगणकों और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षत करेंगे। उसके बाद 1 मई से 30 मई तक फील्ड ऑप्रेशन चलेगा। जनगणना कार्य में कार्यरत कोई भी कर्मी एवं अधिकारी किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरते, इसके लिए भी सभी को चौकस किया गया है। प्रगणकों और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण चार्ज स्तर के कार्यालय पर चलेगा और चार्ज अधिकारी ही मुख्य रूप से इस संचालन के लिए जिम्मेदार होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि जनगणना के माध्यम से प्राप्त की गई जानकारी को गोपनीय रखा जाता है। इसे आरटीआई के तहत भी नहीं दिया जा सकता है। कोई भी अधिकारी व कर्मचारी इस जनगणना इयूटी से इनकार नहीं कर सकता। हालांकि जनगणना एक्ट 1948 में बहुत से प्रावधान हैं। परंतु यह कार्य राष्ट्रीयता की भावना से बिना किसी वाद-विवाद के किया जाना चाहिए। इस अवसर पर जिला समन्वय अधिकारी (जनगणना) विकास बजाज ने बताया कि फील्ड में जनगणना के कार्य को करने वाले लगभग 2266 प्रगणकों और सुपरवाइजरों को यही 34 फील्ड ट्रेनर के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाना है। उन्होंने बताया कि मास्टर ट्रेनर्स रक्षा देवी और डॉ. दर्शन लाल ने सभी को प्रशिक्षण दिया है। उन्होंने सभी फील्ड ट्रेनर्स से अपील की वे ध्यान से परिक्षण प्राप्त करें। उन्हें फील्ड में काम करने वाले प्रगणकों और सुपरवाइजरों के साथ सम्पर्क में रहना होगा। अगर प्रशिक्षण ढंग से न लिया और न ही आगे प्रगणकों और सुपरवाइजरों को दिया तो परिणाम अच्छे नहीं आएंगे।

धान घोटाले में हैफेड का परचेज अधिकारी गिरफ्तार

यमुनानगर। पुलिस टीम द्वारा धान घोटाले में पकड़ा गया आरोपी अनिल कुमार।

- आरोपी को कोर्ट में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया

यमुनानगर। जिले में हुए करोड़ों रुपये के धान घोटाले में सीआईए वन की टीम ने कार्रवाई करते हुए हैफेड के परचेज अधिकारी अनिल कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर धान घोटाले के मुख्य आरोपी संदीप सिंघला के साथ मिलकर फर्जी गेट पास जारी करने और इसके बदले लाखों रुपये की रिश्वत लेने का आरोप है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया। जहां से उसे तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। जगाधरी के उप पुलिस अधीक्षक राजीव मिगलानी ने बताया है कि धान घोटाले में शामिल हैफेड विभाग के अधिकारी अनिल कुमार को सीआईए वन की टीम ने देर शाम गिरफ्तार किया था। आरोपी पर धान घोटाले में शामिल संदीप सिंघला के साथ मिलकर फर्जी गेट पास जारी करने और इसके बदले लाखों रुपये की रिश्वत लेने का आरोप लगा था। इस मामले में पुलिस ने पहले भी आरोपी से रिश्वत के एक लाख रुपये बरामद किए गए हैं। जिले में हुए करोड़ों रुपये के धान घोटाले में दो दिन पहले ही डीएफएसससी के एएफएसओ जगाधरी देवेंद्र कुमार, निरीक्षक सविता छछरौली, निरीक्षक विनोद कुमार प्रताप नगर और निरीक्षक मनोज यादव बर्खास्त किए जा चुके हैं।

घने कोहरे में कई वाहन टकराए जीटी रोड पर चार घंटे रहा जाम

- पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर ट्रैफिक सुचारू करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत के एलिवेटिड हाईवे पर शनिवार की सुबह सात से आठ बजे के बीच में घना कोहरा गिर रहा था। वहीं कोहरे में दृश्यता शून्य थी, इसके चलते एलिवेटिड हाईवे पर एक के बाद एक करीब 25 वाहन टकरा गए। वहीं, इन वाहनों में सवार करीब 32 लोग घायल हो गए। इतनी बड़ी संख्या में वाहन टकराने के चलते एलिवेटेड हाईवे पर यातायात जाम हो गया। घायलों को राहगिरों ने विभिन्न अस्पतालों में भर्ती करवाया। हालांकि हादसे में घायल लोगों को मामूली चोटें लगी हैं। हादसे में क्षतिग्रस्त होने वालों वाहनों में अधिकतर कारें हैं। दूसरी ओर, घटना की सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और क्षतिग्रस्त वाहनों को साइड में लगवा कर यातायात सुचारू करवाया। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले एलिवेटिड हाईवे पर यातायात जाम हो चुका था। पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से हाईवे की एक लेन को खाली करवा कर यहां से यातायात सुचारू करवाया। दूसरी ओर, पुलिस ने बताया कि एलिवेटिड हाईवे पर घना कोहरा होने व विजिबिलिटी जीरो होने के चलते हादसा हुआ। हादसा, किसी वाहन के सड़क पर खराब खड़ा होने के कारण नहीं हुआ, बल्कि कोहरा अधिक होने के कारण हुआ। इससे जीटी रोड पर करीब चार घंटे तक जाम लगा रहा। पुलिस ने वाहन चालकों को सलाह दी है कि वे वाहन तेजी से न चलाएं।

पानीपत। हादसे में क्षतिग्रस्त वाहन।

हेरोइन मामले में मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस के एंटी नारकोटिक्स सैल ने हेरोइन तस्करी मामले में मुख्य संलिप्त आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अमन उर्फ पौधा के तौर पर हुई है जोकि अंबाला छावनी की रामकिशन कॉलोनी का रहने वाला है। विदित है कि 5 मार्च 2026 को जांच टीम ने बब्याल शमशान घाट के पास से राहुल कुमार नाम के युवक को 13 ग्राम हेरोइन के साथ रंगे हाथों काबू किया था। आरोपी राहुल ने खुलासा किया था कि उसने बरामद हेरोइन अमन उर्फ पौधा से खरीदी थी। राहुल के बयान के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य सप्लायर अमन उर्फ पौधा को गिरफ्तार किया। आरोपी से गहन पूछताछ और नशा तस्करी के नेटवर्क का पता लगाने के लिए पुलिस ने उसे अदालत से 2 दिन के रिमांड पर लिया था। रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद आरोपी को अब जेल भेज दिया गया है। पुलिस नशे के सौदागरों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति जारी रखेगी।

नवीन अवसर पहल पर हुआ कार्यक्रम

स्किल प्रशिक्षण के माध्यम से ही विदेशों में रोजगार पाएं युवा: नवीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

नवीन जिन्दल फाउंडेशन की ओर से नवीन अवसर पहल के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के आरके सदन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सांसद नवीन जिन्दल ने छात्राओं के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विषय पर संवाद स्थापित करते हुए उन्हें आधुनिक तकनीक के सही उपयोग के प्रति जागरूक किया।

साथ ही, निमाया फाउंडेशन और नवीन जिन्दल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जेन एआई रेडी नारी कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सांसद नवीन जिन्दल ने अपने संबोधन में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज के समय में लगभग हर समस्या का समाधान प्रस्तुत करने की क्षमता रखता है, लेकिन इसके प्रभावी उपयोग के लिए सही प्रशिक्षण और समझ अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं को अधिक से अधिक कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हुए आश्वासन दिया कि नवीन जिन्दल फाउंडेशन हर स्तर पर सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि क्षेत्र के युवा डंकी रूट जैसे जोखिमपूर्ण रास्तों की बजाय स्किल आधारित शिक्षा के माध्यम से विदेशों में रोजगार प्राप्त करें, ताकि उन्हें सम्मान और पहचान दोनों मिल सकें। नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा संचालित स्किल सेंटरों के माध्यम से युवाओं को तकनीकी कौशल, भाषा ज्ञान और करियर मार्गदर्शन जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। सांसद ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय परिसर में फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया की ओर से 108 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज स्थापित करने की घोषणा भी की।

कुरुक्षेत्र। छात्रा को प्रमाण पत्र वितरित करते सांसद नवीन जिंदल।

लाखों की ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस ने विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर अंतरराज्यीय ठग को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी ने एक युवक से विदेश भेजने का झांसा देकर 15 लाख रुपए की मोटी रकम हड़प ली थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिव कुमार वासी गांव हांडेसरा (पंजाब) के रूप में हुई है। अंबाला शहर के देवी नगर के रहने वाले प्रिंस कुमार ने 2 मार्च 2025 को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। प्रिंस ने बताया कि आरोपी ने उसे विदेश भेजने का सपना दिखाया और अपनी बातों में फंसाकर दिनांक 1 अप्रैल 2025 से 31-मई 2025 के बीच कुल 15 लाख रुपए ठग लिए। पैसे लेने के बाद आरोपी न तो उसे विदेश भेज पाया और न ही उसके पैसे वापस किए। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी शिव कुमार ठगी करने में बेहद शातिर है। उसके खिलाफ पहले भी मोहाली, करनाल और अंबाला के विभिन्न थानों में विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी और ठगी के लगभग 6 मामले दर्ज हैं। वह लोगों को सुनहरे भविष्य का लालच देकर अपनी बातों के जाल में फंसाने का माहिर है। थाना सदर अंबाला पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी को डिफेंस कॉलोनी से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी न्यायालय में पेश किया। अब उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस आम जनता से अपील करती है कि विदेश जाने के नाम पर किसी भी अनजान या अनधिकृत व्यक्ति को पैसे न दें। यदि कोई व्यक्ति आपको इस तरह के प्रलोभन देता है तो तुरंत नजदीकी पुलिस थाने में सूचित करें।

- आरोपी पर कबूतरबाजी के छह मामले दर्ज, पूछताछ के बाद जेल भेजा

प्लाट की धोखे से करवाई रजिस्ट्री

यमुनानगर। शहर के खेड़ा मोहल्ला निवासी पूजा के साथ प्लाट बेचने के नाम पर ठगी हो गई। आरोप परिवार के तीन लोगों व्यासपुर निवासी अंजू नैयर, किरण नैयर और सन्नी नैयर पर लगा है। आरोपियों ने प्लाट 42 लाख रुपये में खरीदा और बिना पैसे दिए ही प्लाट की रजिस्ट्री करवा ली। बाद में आरोपियों ने पैसे देने से मना कर दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

खेड़ा मोहल्ला निवासी पूजा ने बताया कि उसे पैसों की जरूरत थी। इसलिए उसने अपना 162 वर्ग गज का प्लाट बेचने पर विचार किया। उसे पता चला कि व्यासपुर निवासी अंजू नैयर, किरण नैयर और सन्नी नैयर प्रॉपर्टी खरीदने, बेचने का कार्य करते हैं।

- एक ही परिवार के तीनों लोगों के खिलाफ केस दर्ज

सभी आरोपी एक ही परिवार से संबंध रखते हैं। उसने आरोपियों से प्लाट बेचने के बारे में बात की। आरोपियों ने उससे 42 लाख 12 हजार रुपये में प्लाट खरीदने की बात कही। आरोपियों ने प्लाट की रजिस्ट्री करवाने के लिए उसे व्यासपुर तहसील में बुलाया। उसने प्लाट की रजिस्ट्री करवाने से पहले आरोपियों से पैसे मांगे मगर आरोपियों ने कहा कि उनके रुपये बैंक में जमा है। इसके लिए फिलहाल करंट पेमेंट का चेक दे रहे हैं। आरोपियों ने उसे 10 करंट चेक देने थे लेकिन उन्होंने पूरे चेक नहीं दिए। जब वह आरोपियों के घर चेक लेने के लिए गई तो पैसे देने से मना कर दिया।

विदेश भेजने के नाम पर युवक से हड़पे साढ़े 11 लाख

यमुनानगर। विदेश भेजने के नाम पर शहर की थापर कॉलोनी निवासी अंशुल से साढ़े 11 लाख रुपये हड़प लिए गए। आरोप गौरव कटारिया व गौरव शर्मा पर लगा है। पुलिस ने अंशुल के पिता मोहनलाल की शिकायत पर दोनों आरोपी लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार शहर की थापर कॉलोनी निवासी मोहनलाल ने सिटी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका लड़का अंशुल पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार के लिए विदेश जाना चाहता था। इस दौरान उसे पता चला कि गौरव कटारिया व गौरव शर्मा लोगों को विदेश भेजने का काम करते हैं। वह अपने बेटे अंशुल के साथ दोनों आरोपियों को मिला। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने काफी लोगों को विदेश भेजा है। वह उसके लड़के अंशुल को भी विदेश भेज देंगे। जहां उसे रोजगार मिल जाएगा। वह आरोपी की बातों में आ गया। इस दौरान आरोपियों ने उसे उसके लड़के को विदेश भेजने के नाम पर साढ़े 11 लाख रुपये का खर्च आने की बात कही। उसने 24 जुलाई 2025 को आरोपियों को उक्त रुपये और बेटे के दस्तावेज दे दिए। आरोपियों ने जल्द ही उसके बेटे को विदेश भेजने का आश्वासन दिया मगर काफी दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों ने उसके लड़के को विदेश नहीं भेजा। जब उसने इस बार आरोपियों से बात की तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। परेशान होकर उसने आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी।

- दो आरोपी लोगों के खिलाफ किया धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

गुरुकुल शिक्षा उत्सव के दूसरे दिन गुजरात के राज्यपाल ने किया संबोधित

गुरुकुल की जीवन शैली देती है मजबूत आधार : देवव्रत

- सातवीं और आठवीं कक्षा में प्रवेश के लिए पहुंचे 4 हजार से अधिक बच्चे और अभिभावक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति में बच्चे को विषम परिस्थितियों का आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए तैयार किया जाता है जो उसके भावी जीवन हेतु मजबूत नींव का कार्य करती है। गुरु के अलावा माता-पिता ही बच्चों के सबसे बड़े हितैषी है मगर आज मोबाइल, टी.वी. और सोशल मीडिया के बढ़ते चलन ने अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। युवाओं द्वारा मोबाइल का अत्यधिक प्रयोग जहां उन्हें किताबों से दूर कर रहा है, वहीं पुरातन संस्कारों का भी ह्रास हो रहा है। उक्त शब्द गुरुकुल शिक्षा उत्सव के दूसरे दिन सातवीं और आठवीं कक्षा में प्रवेश हेतु पधारे छात्रों व उनके अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए गुजरात के राज्यपालश्री आचार्य देवव्रत ने कहे। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा हेतु साफ-स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना अभिभावकों के लिए एक चुनौती बन गया है जिसका समाधान केवल गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति है। राज्यपाल ने कहा कि प्राचीन काल में राजा-महाराजा के बालक भी घने जंगलां में स्थित गुरुकुलों में शिक्षा प्राप्त करने जाते थे, वहां बिना किसी सुख-सुविधा के अपने सभी कार्य स्वयं करते थे और आचार्य से शस्त्र और शास्त्रों की शिक्षा प्राप्त करते थे। आधुनिक शिक्षा पद्धति में बड़े-बड़े शिक्षण संस्थानों में बच्चों को किताबी और तकनीकी ज्ञान तो दिया जा रहा है मगर उन्हें समाज में कैसे रहना है? अपने बड़ों से कैसा आचरण करना है? संकट के समय स्वयं को कैसे स्थिर रखना है? देश और समाज के प्रति हमारे क्या दायित्व है? देश की उन्नति में कैसे सहायक बनें, इस दिशा में बच्चों को सही मार्गदर्शन नहीं मिल पाता। हमारे गुरुकुलों में बच्चों को ठीक उसी प्रकार रखा जाता है जैसे बच्चा मां के गर्भ में सुरक्षित रहता है। प्राचीन काल में गर्भ से ही बच्चों में 16 संस्कार करने का विधान था, जो गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग है। उन्होंने आग्रह किया कि बच्चों को आत्मनिर्भर बनाएं और हमारे गुरुकुलों में अक्षरज्ञान के साथ-साथ बच्चां को शारीरिक, मानसिक और आध्यामिक रूप से मजबूत बनाया जाता है तो कल वे देश की उन्नति के मजबूत आधार स्तम्भ बनाकर अपने माता-पिता और गुरुकुल का नाम रोशन कर सकें।

कुरुक्षेत्र। विद्यार्थियों को संबोधित करते गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत।

बच्चों को कम्फर्ट जोन से बाहर निकालें : डा. राजेन्द्र

डा. राजेन्द्र विद्यालंकार ने कहा कि आज अभिभावक बच्चों को अत्यधिक सुख-सुविधाएं देकर न केवल उनका स्वास्थ्य बिगाड़ रहे है बल्कि उन्हें मानसिक तौर पर भी कमजोर बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को कम्फर्ट जोन से बाहर निकालें और मजबूत बनाएं। गुरुकुलों में बच्चों आधुनिक तकनीकी शिक्षा देने के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक और वैचारिक रूप से मजबूत बनाया जाता है ताकि वे बड़े होकर देश, समाज और अपने माता-पिता के प्रति अपने कर्त्तव्यों का जिम्मेदारी के साथ निर्वहन कर सकें। गुरुकुल कुरुक्षेत्र के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार ने अपने सम्बोधन में सभी गुरुकुलों की शैक्षिक गतिविधियों और रिजल्ट पर प्रकाश डाला।

कुरुक्षेत्र के युवक की फ्रांस में हार्ट अटैक से हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र के युवक की फ्रांस में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। बेटे की मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार ने सरकार से बेटे का शव भारत लाने की गुहार लगाई है। मृतक की पहचान गुरमेल सिंह उर्फ सोनू (35) निवासी नारायणगढ़ मोहल्ला इस्माईलाबाद के रूप में हुई।

गुरमेल सिंह फ्रांस के पेरिस में रहता था और यहां पर रंग-पुताई का काम करता था। सोनू अपने पीछे पत्नी और 2 बेटियों को छोड़ गया। करीब 5 साल पहले गुरमेल फ्रांस गया था। लखवीर सिंह ने बताया कि उसका दोस्त गुरमेल सिंह साल 2021 में काम की तलाश में फ्रांस गया था। उसे 2 मार्च की फ्लाइट से फ्रांस अपने काम पर लौटना था। गुरमेल ने फ्रांस जाने की पूरी तैयारी कर ली थी, लेकिन ईरान-इजराइल के तनाव के बीच उसकी फ्लाइट कैंसिल हो गई।

उसके बाद गुरमेल ने 11 मार्च को अपनी फ्लाइट की टिकट बुक करवाई, उसी दिन गुरमेल उस फ्लाइट से वापस फ्रांस चला गया। जाने से पहले उसने दिवाली के आसपास वापस घर आने की बात कही थी। गुरमेल ने वापस फ्रांस जाकर अपना काम संभाल लिया। 19 मार्च को गुरमेल पेरिस में अपने काम पर जा रहा था। बीच रास्ते में ही दिल का दौरा पड़ने से गुरमेल बेहोश होकर सड़क पर गिर गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

खबर संक्षेप

माता के संस्कारों ने बनाया परिवार को एकजुट

करनाल। हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंदर कल्याण और

हरियाणा के चुनाव आयुक्त देवेंद्र सिंह कल्याण की माता कैलाशवासी प्रेम कौर कल्याण एक विदुषी एवं समाजसेवी महिला थीं, जिन्होंने जीवनभर मानवीय मूल्यों को संजोकर रखा। उन्होंने अपने बच्चों को उच्च संस्कार दिए, जिनकी बदौलत आज उनका परिवार समाज में एक विशिष्ट स्थान रखता है। हरविंदर कल्याण, देवेंद्र कल्याण और समर सिंह कल्याण की सफलता के पीछे उनके माता-पिता स्वर्गीय देवी सिंह कल्याण और श्रीमती प्रेम कौर कल्याण के संस्कार और मेहनत की अहम भूमिका रही। उन्होंने अपने बच्चों को गुरुओं के बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी और स्वयं भी उसी पथ पर चलती रहीं।

उनके निधन के उपरांत श्री गुरु ग्रंथ साहिब की छाया में अखंड पाठ करवाया गया। सिख परिवार से संबंध रखने वाली प्रेम कौर का विवाह समाजवादी विचारधारा के धनी देवी सिंह कल्याण से हुआ था, जिनका उन्होंने हर मोर्चे पर साथ निभाया। परिवार को एकजुट रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। आज जब सामाजिक मूल्य कमजोर पड़ रहे हैं और परिवार बिखर रहे हैं, ऐसे समय में कल्याण परिवार का एक छत के नीचे संगठित रहना एक मिसाल है।

शहीदों के सम्मान में रक्तदान सच्ची श्रद्धांजलि

पिहोवा। डी.ए.वी. कॉलेज पिहोवा में शहीद दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विधिवत रूप से दीप प्रज्वलन और शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदीप सैनी डायरेक्टर संनसेंज पेपर मिल्स ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रदीप सैनी, महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुमनलता तथा अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदीप सैनी ने कहा कि शहीद दिवस हमें देश के वीर शहीदों के बलिदान की याद दिलाता है और उनके सम्मान में रक्तदान करना एक सच्ची श्रद्धांजलि है। प्रदीप सैनी ने कहा हम आज जिस आजादी में सांस ले रहे हैं, वह हमारे वीर शहीदों के बलिदान की देन है।

अब राजनीतिक मजबूती पर फोकस : अशोक

कुरुक्षेत्र। अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा के प्रदेश महासचिव राजेश सिंगला ने कहा कि समाज अब केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक रूप से भी मजबूत बनने की दिशा में संगठित प्रयास करेगा। उन्होंने बताया कि हाल ही में वृंदावन में आयोजित प्रांतीय अधिवेशन में देशभर के वैश्य नेताओं ने संगठनात्मक एकता और राजनीतिक भागीदारी पर गंभीर मंथन किया। अधिवेशन में अशोक बुवानीवाला ने समाज को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने पर जोर दिया, वहीं अखिल भारतीय अग्रवाल राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल ने कहा कि सही नेतृत्व के अभाव में कोई भी समाज हो जाता है। उन्होंने बाबू बनारसी दास गुप्ता जैसे नेताओं का उदाहरण देते हुए एकजुटता की आवश्यकता बताई।

मुस्लिम भाइयों ने एक-दूसरे के गले मिलकर दी ईद की मुबारकबाद

ईद-उल-फितर पर मुल्क व कौम की तरक्की के लिए उठे हजारों हाथ

सुबह से ही त्योहार की रौनक देखने को मिली, लोगों ने जामा मस्जिद में ईद की नमाज अदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तरावड़ी

तरावड़ी। नमाज से पहले शाही इमाम मोहम्मद अफजाल राणा ईद-उल-फितर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए। फोटो : हरिभूमि

तरावड़ी जामा मस्जिद में ईद-उल-फितर का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास, भाईचारे और धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। सुबह से ही त्योहार की रौनक देखने को मिली। लोगों ने जामा मस्जिद में ईद की नमाज अदा की और एक दूसरे से मिलकर खुशियां प्राप्त की। नमाज से पहले शाही इमाम मोहम्मद अफजाल राणा ने ईद-उल-फितर के महत्व पर प्रकाश डाला गया और रोजा, सब्र, त्याग एवं इंसानियत के मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि ईद का त्योहार हमें प्रेम, भाईचारे और आपसी सौहार्द को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। नमाज अदा करने के बाद सभी लोगों ने हाथ उठाकर देश की खुशहाली, अमन-चैन और तरक्की के लिए विशेष दुआ मांगी। इसके पश्चात मुस्लिम भाइयों ने एक-दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और भाईचारे का संदेश दिया। मस्जिद परिसर में ईद मुबारक की गूंज सुनाई दी और चारों ओर खुशियों का माहौल नजर आया। इस मौके पर एडवोकेट मोहम्मद रफीक चौहान, डॉ. मुनीश परवेज राणा, मो. हारुण, मो. महबूब, सहित शहर के कई सामाजिक संगठनों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भी ईद के मौके पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और आपसी प्रेम व भाईचारे को बनाए रखने का आह्वान किया। इस मौके पर डॉ. मुनीश परवेज राणा ने कहा कि ईद का त्यौहार हमें आपसी प्रेम व भाईचारा बनाने, टूटे रिश्तों को फिर से जोडऩे, गरीब-अनाथ और बेसहारा बच्चों और गरीब व जरूरतमंद लोगों की मदद करने के अलावा समूची मानवता की सेवा करने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि हर सक्षम व्यक्ति को जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए और समाज में एकता व भाईचारा बनाए रखना चाहिए। उन्होंने देश में शांति, सद्भाव और आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की।

फिट इंडिया कार्निवाल में 500 युवाओं ने लिया हिस्सा

करनाल। जिला खेल अधिकारी राजबीर सिंह रंगा ने बताया कि साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) और फिट इंडिया के तत्वावधान में 21 से 23 मार्च तक फिट इंडिया कार्निवाल का आयोजन किया जा रहा है। कार्निवाल के पहले दिन प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। पहले दिन योग, जुम्बा, रस्साकशी, वेटलिफ्टिंग तथा पारंपरिक खेल मल्लखंभ जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों के माध्यम से लोगों में शारीरिक फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया। प्रातःकालीन सत्र में करीब 500 प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी दर्ज की गई, जो कार्यक्रम की सफलता का संकेत है। इस अवसर पर एसडीएम प्रदीप कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए फिटनेस को दैनिक जीवन का जरूरी हिस्सा बनाने पर जोर दिया।

वर्ल्ड मास्टर्स गेम्स में करनाल के राजेश ने जीते दो कांस्य

करनाल। करनाल के विधायक जगमोहन आनंद ने सेक्टर-13 स्थित अपने कैंप कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने वाले मास्टर एथलीट राजेश खन्ना का सम्मान किया। राजेश खन्ना ने अबूधाबी (यूएई) में आयोजित वर्ल्ड ओपन मास्टर्स गेम्स 2026 में 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में भाग लेते हुए 4×400 मीटर रिले और लॉन्ग जंप में दो कांस्य पदक हासिल किए। 92 देशों के 25 हजार से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी वाले इस आयोजन में पदक जीतना बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। विधायक ने कहा कि यह सफलता उनके अनुशासन और कड़ी मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद भी खेलों के प्रति उनका जुनून युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

स्वयं सहायता समूह महिलाओं की ताकत, गांवों की अर्थव्यवस्था की रीढ़: डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान

■ असंध में नई लहर फेडरेशन की वार्षिक आम सभा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ असंध/करनाल

हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि स्वयं सहायता समूह आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनते जा रहे हैं और महिला सशक्तिकरण का मजबूत आधार हैं। वे खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय, असंध में नई लहर महिला क्लस्टर लेवल फेडरेशन की वार्षिक आम सभा में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना रहा। डॉ. चौहान ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े बदलाव लाते हैं और स्वयं सहायता समूह इसका जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने महिलाओं को स्वरोजगार अपनाने और अपने कार्यों का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने लिज्जत पापड़ और केरल की महिलाओं के उदाहरण देते हुए कहा कि संगठित प्रयासों से महिलाएं देश-विदेश में पहचान बना सकती हैं। खंड प्रोग्राम मैनेजर ओमपाल सिंह ने बताया कि हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और विपणन के अवसर दिए जा रहे हैं।

विश्व वन दिवस के अवसर पर रोपे पौधे

कार्यक्रम के अंत में विश्व वन दिवस के अवसर पर पौधारोपण भी किया गया। इस अवसर पर खंड प्रोग्राम मैनेजर ओमपाल सिंह, पंच रिंकल राणा, सुभाष (गांव राहड़ा), नई लहर फेडरेशन से अध्यक्ष पूनम रानी चोचड़ा, नई दिशा फेडरेशन से अध्यक्ष बबिता सालवन, पिंकी, उर्मिला (चोर करसा), रीना व सीमा (उपलाणी), प्रियंका (जलमाना), पिंकी (राहड़ा), सोनिया (अरडाना), कविता (पधाना), सुमन (रत्तक), पिंकी (मूंढ़), सुमन व रेनू (चोचड़ा), डाटा एंट्री ऑपरेटर चन्दर मोहन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं।

फिट इंडिया कार्निवाल का शुभारंभ युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश

■ विधायक जगमोहन आनंद ने किया उद्घाटन, 500 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) और फिट इंडिया के तत्वावधान में 21 से 23 मार्च तक आयोजित फिट इंडिया कार्निवाल का शुभारंभ विधायक जगमोहन आनंद ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने और खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर नई योजनाएं लागू कर रही है, जिससे खिलाड़ियों को सीधा लाभ मिल रहा है। जिला खेल अधिकारी राजबीर सिंह रंगा ने बताया कि प्रातःकालीन सत्र में एसडीएम करनाल प्रदीप कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पहले दिन योग, जुम्बा, रस्साकशी, वेटलिफ्टिंग और मल्लखंभ जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में लगभग 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। इस मौके पर साई की कार्यकारी निदेशक रितु पाठक और सहायक निदेशक मीता भारद्वाज भी उपस्थित रहीं।

डिजिटल जनगणना को लेकर कर्मचारियों को दिया प्रशिक्षण

करनाल। जनगणना कार्य को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए जिला पंचायत भवन में 16 से 21 मार्च तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 54 कर्मचारियों को दो बैचों में प्रशिक्षित किया गया। पहले बैच में 30 कर्मचारियों को 16 से 18 मार्च तथा दूसरे बैच में 24 कर्मचारियों को 19 से 21 मार्च तक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान डिजिटल जनगणना की प्रक्रिया, मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा संग्रहण और स्वगणना की तकनीक विस्तार से समझाई गई। जिला मास्टर ट्रेनर डॉ. गुलाब सिंह, डॉ. जितेंद्र सिंह और जिला समन्वय अधिकारी अनीता ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षित फील्ड ट्रेनर अब अपने-अपने क्षेत्रों में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे, जो घर-घर जाकर जनगणना का कार्य करेंगे।

एआई प्रशिक्षण में दी तकनीकी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तरावड़ी

तरावड़ी। कार्यक्रम मे भाग लेते स्कूल के प्रधानाचार्य धर्मेंद्र खेड़ा व स्कूल शिक्षक।

नरसिंह दास पब्लिक स्कूल में कक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर एक ज्ञानवर्धक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस सत्र में 35 शिक्षकों ने भाग लिया, जिन्होंने सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हुए शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं में एआई को शामिल करने के नए तरीकों की खोज की। इस प्रशिक्षण का नेतृत्व संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की समन्वयक और सीबीएसई की रिसोर्स पर्सन, कविता लल्लर ने किया। उन्होंने आधुनिक कक्षाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते महत्व के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी। सत्र के दौरान, सुश्री लल्लर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे एआई उपकरण छात्रों की भागीदारी को बढ़ा सकते हैं, सीखने के अनुभवों को व्यक्तिगत बना सकते हैं, और शिक्षकों को प्रभावी पाठ योजना तथा मूल्यांकन में सहायता प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि शिक्षकों को भविष्य की चुनौतियों के लिए छात्रों को तैयार करने हेतु तकनीकी प्रगति के अनुरूप खुद को ढालना आवश्यक है। यह कार्यक्रम स्कूल के प्रधानाचार्य, धर्मेंद्र खेड़ा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था; उन्होंने इस पहल की सराहना की और शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत संवादात्मक रहा, जिसमें शिक्षकों ने गहरी रुचि और उत्साह दिखाया।

न्यायाधीश ने कारागार का किया निरीक्षण कैदियों से बातचीत कर समस्याएं सुनी

करनाल। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के जस्टिस एवं जिला न्यायालय करनाल के प्रशासनिक न्यायाधीश हरसिमरन सिंह सेठी ने शनिवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कैदियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जेल परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस मौके पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार शारदा, सीजेएम डॉ. इरम हसन, सीजेएम खुशबू गोयल और जेल अधीक्षक लखबीर सिंह बरार उपस्थित रहे। सीजेएम डॉ. इरम हसन ने बताया कि जस्टिस सेठी ने 19 से 21 मार्च तक विभिन्न न्यायालयों और जिला कारागार का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की, जो संतोषजनक पाई गईं।

करनाल में नई रेनो डस्टर की हुई भव्य लॉन्च

■ असीम रेनो शोरूम में दिखा उत्साह, हाइब्रिड मॉडल पहले ही सोल्ड-आउट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

रेनो इंडिया ने करनाल के असीम रेनो शोरूम में नई रेनो डस्टर का भव्य लॉन्च किया। इस मौके पर विधायक जगमोहन आनंद ने इसे शहर के लिए गर्व की बात बताया।

असीम ऑटो के एमडी अर्पित चावला ने बताया कि डस्टर के दो पेट्रोल वेरिएंट 10.49 लाख (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध हैं, जबकि 31 मार्च 2026 तक आर पास प्री-बुकिंग के तहत 10.29 लाख की इंट्रोडक्टरी कीमत दी जा रही है। साथ ही 'रेनो फॉरएवर' प्रोग्राम के अंतर्गत 7 साल की वारंटी और फ्लेक्सिबल सब्सक्रिप्शन विकल्प भी मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि नई डस्टर आरजीपीएम प्लेटफॉर्म पर आधारित है और इसमें टर्बो टी सी ई 160 इंजन दिया गया है, जो 163 पी एस पावर और 280 एन एम टॉर्क देता है। यह 6-स्पीड मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में उपलब्ध है। कंपनी के एएसएम हिमांशु के अनुसार, गाड़ी में फुल आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। हिमांशु ने बताया कि ई-टेक स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड मॉडल, जिसमें 1.8 लीटर इंजन और 1.4 के डब्लू बैटरी है, उसे शानदार रिस्पॉन्स मिला है और 2026 की सभी यूनिट्स पहले ही बुक हो चुकी हैं।

इंद्री क्षेत्र में तीसरी बार मिले गोवंशों के अवशेष, लोगों में भारी रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंद्री

इंद्री। गांव धनौरा जागीर के पास धनौरा एस्केप से गोवंशों के अवशेष मिलने पर पहुंचे गौरक्षक व ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

इंद्री क्षेत्र में गोवंशों के अवशेष मिलने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। शनिवार को एक बार फिर गांव धनोरा जागीर के पास धनौरा एस्केप से कई गोवंशों के अवशेष बरामद हुए, जिससे गौ रक्षकों और स्थानीय लोगों में भारी रोष फैल गया। जानकारी के अनुसार, इससे पहले बुधवार और गुरुवार को भी पश्चिमी यमुना नहर से गोवंशों के अवशेष मिले थे। लगातार तीसरी बार ऐसी घटना सामने आने से लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। गौ रक्षा दल के सदस्य मोनू राणा पहलवान, मोनी काली रामना व मोनू धीमान आदि ने रोष जताते हुए कहा कि तीसरी बार गोवंशों के अवशेष मिलने से गौ रक्षा दल के सदस्यों व हिंदू संगठनों में आक्रोश पनपता जा रहा है।

धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप

उन्होंने कहा नवरात्रों के दिनों में गोवंशों के अवशेष मिलने से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस दोषियों को पकडऩे के लिए पूरा आश्वासन देती आ रही है लेकिन फिर भी अभी तक दोषी पकड़े नहीं गए हैं। उन्होंने बताया कि इसी को लेकर रविवार को सुबह 10 बजे सिंचाई विभाग के विश्राम गृह इंद्री में एक पंचायत बुलाई गई है जिसमें काफी संख्या में गौ रक्षक व हिंदू संगठनों के लोग शामिल होकर आगामी रणनीति तैयार करेंगे। इंद्री थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और चार से पांच गोवंशों के अवशेष बरामद किए, जो प्रारंभिक तौर पर पुराने प्रतीत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और सीआईए की टीमें भी जांच में जुटी हुई हैं।

आर्य समाज प्रेम नगर के वार्षिक उत्सव का शुभारंभ

करनाल। आर्य समाज प्रेम नगर द्वारा आर्य केंद्रीय सभा के तत्वावधान में 20 से 23 मार्च तक आयोजित वार्षिक उत्सव एवं शहीदी दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ 11 कुण्डीय यज्ञ और ध्वजारोहण के साथ किया गया। ध्वजारोहण ओम प्रकाश सचदेवा ने किया। उन्होंने शहीदों के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम की सराहना की। यज्ञ के दौरान ब्रह्म आचार्य अनुज आर्य ने वैदिक ज्ञान और सनातन संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि चारों वेद मानव जीवन के मार्गदर्शक हैं और महर्षि दयानंद ने 1875 में आर्य समाज की स्थापना कर इस संस्कृति को पुनर्जीवित किया। मुख्य अतिथि कपिल अत्रेजा ने कहा कि अब देश में अपनी संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और नई पीढ़ी अपने गौरवशाली इतिहास को समझ रही है। इस अवसर पर बलदेव राज आर्य, डॉ. लाजपत राय चौधरी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

प्रेम कौर कल्याण की आत्मिक शांति के लिए आज श्रद्धांजलि सभा

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष एवं घरौंडा विधायक हरविन्द्र सिंह कल्याण की माता स्वर्गीय प्रेम कौर कल्याण की आत्मिक शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा 22 मार्च को जीटी रोड स्थित कल्याण फार्म (मधुबन) में आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 11 बजे ब्रह्मभोज और दोपहर 1 से 3 बजे तक शांति पाठ एवं रस्म क्रिया संपन्न होगी। उल्लेखनीय है कि प्रेम कौर कल्याण का निधन 13 मार्च को हुआ था। इसके बाद से लगातार मंत्री, विधायक, सांसद और विभिन्न दलों के नेता कल्याण फार्म पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। शनिवार को सांसद नवीन जिंदल, पूर्व मंत्री असीम गोयल, विधायक योगेन्द्र राणा, भगवान दास कबीरपंथी, कुलदीप वत्स, अकरम खान सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भी श्रद्धांजलि दी और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

खबर संक्षेप

अपराधियों से सख्ती से निपटेगी पुलिस

पानीपत। एसपी सिंह ने प्रेसवार्ता में मीडिया के माध्यम से युवाओं से भी अपील की कि वे इस तरह के अपराधिक प्रवृति के लोगों के झांसे में आकर अपना जीवन खराब ना करें। वहीं, सोशल मीडिया पर अंजान लोगों से दोस्ती करने से बचे। युवा पढाई के बलबूते पर अपने लक्ष्य को हासिल कर जीवन को सवारें। वहीं, एसपी सिंह ने चेताया है कि पानीपत जिला में अपराध व अपराधियों को किसी भी रूप में पनपने नहीं दिया जाएगा। अपराधियों से बहुत ही सख्ती से निपटा जाएगा।

पुलिस ने चोरी के दो आरोपी पकड़े

पानीपत। एंटी व्हीकल थेप्ट पुलिस टीम ने थाना सनौली क्षेत्र में खेतों से ट्यूबवेल की केबल व स्टार्टर चोरी करने वाले दो आरोपियों आयान उर्फ सोनू पुत्र अनीश निवासी गांव भडल जिला बागपत व मोसिन पुत्र शौकिन निवासी गंगोह जिला सोनीपत को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी सनौली रोड पर रूपचंद कालोनी में किराये पर कमरा लेकर रह रहे थे। इधर, थानेदार राकेश ने बताया कि आरोपियों ने गांव गढ़ी बेसिक से धनसौली रोड पर खेतों में चोरी की थी। चोरी की उक्त वारदात बारे थाना सनौली में गढ़ी बेसिक गांव निवासी मुन्नवर पुत्र अब्बल की शिकायत पर केस दर्ज है।

पुरुष आयोग का गठन हो

पानीपत। नार्थ इंडिया एंटी क्रपशन एण्ड क्राईम प्रीवेंशन आग्रेनाईजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल मलिक ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी को पत्र लिखकर प्रदेश में महिलाओं से पीड़ित पुरूषों के अधिकारों व उनकी जान माल की सुरक्षा के लिए महिला आयोग की तर्ज पर पुरुष आयोग का गठन करने की मांग की है। पत्र में मलिक ने बताया है कि इससे प्रदेश के पीड़ित पुरूषों को राहत मिलेगी। जिससे उनका भाजपा सरकार के प्रति सहयोग बढ़ेगा।

ग्रामीण बैंक सम्मेलन का हुआ आयोजन

पानीपत। हरियाणा ग्रामीण बैंक द्वारा में सुमंत कुमार चेयरमैन के नेतृत्व में सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के लिए नई पीढ़ी के सुधारों, डिजिटल परिवर्तन, व्यवसाय वृद्धि एवं सुशासन पर चर्चा की गई। सुधीर कुमार क्षेत्रीय प्रबंधक पानीपत ने कहा कि हरियाणा ग्रामीण बैंक अपने ग्राहकों को सभी आधुनिक एवं डिजिटल बैंकिंग सुविधाएं, जैसे मोबाइल एवं इंटरनेट बैंकिंग, डिजिटल भुगतान एवं अन्य उन्नत सेवाएं उपलब्ध करा रहा है, जो किसी भी अन्य बैंक के समकक्ष हैं।

राहगिर के पैर में सरिया आर पार

पानीपत। जीटी रोड पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान प्रशासन की गंभीर लापरवाही के चलते एक राहगिर के पैर में सरिया आर पार हो गया। इधर, जन सेवा दल के स्वयं सेवियों ने घायल को सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया। जन सेवा दल के समाजसेवियों की मानवता और तत्परता ने एक मिसाल पेश की है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे निर्माण स्थलों उचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

गानों पर विद्यार्थी जमकर नाचे

पानीपत। भगत आदमी, तेरी चाल ने, बैरन मटके, फाइनेंसर और जिप्सी जैसे गानों पर विद्यार्थी जमकर नाचे। मौका था पाइट कॉलेज में मेस्ट्रोज उत्सव का। हरियाणवीं स्टार अमन जाजी और प्रांजल दहिया ने करीब तीन घंटे तक नचाया। समारोह में प्रदेश के मंत्री डा.अरविंद शर्मा की पत्नी डा. रीटा शर्मा मुख्य अतिथि रही। इस अवसर पर पाइट चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, राजीव तायल ने अतिथियों का स्वागत किया।

पानीपत से किशोर लापता

पानीपत। पानीपत के गांव दीवाना निवासी उगेश का 13 वर्षीय पुत्र अरमान संदिग्ध हालात में अपने घर से लापता हो गया। अरमान मानसिक रूप से स्वस्थ्य नहीं है। उगेश की शिकायत पर हुडा सेक्टर 29 थाना पुलिस ने गुमशुदी का केस दर्ज कर अरमान की तलाश शुरू कर दी है।

आर्य बाल भारती पब्लिक स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया

वैदिक धर्म की पालना से स्थापित होगी विश्व शांति : रणदीप

रतन आर्य ने आर्य शिक्षण संस्थाएं विद्यार्थियों को संस्कारी शिक्षा देती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। आर्य बाल भारती स्कूल के अध्यक्ष मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आर्य बाल भारती विद्यालय की प्रबंधन समित के अध्यक्ष रणदीप आर्य ने कहा कि आर्य समाज पूरे विश्व को सद्भावना, समानता, साक्षरता, सहयोग, त्याग, संघर्ष, दान, नारी सशक्तिकरण का संदेश देता है। वहीं, आर्य समाज की शिक्षाएं ही विश्व शांति का आधार है।

उन्होंने कहा कि शिक्षक धरती पर भगवान का स्वरूप है। शिक्षक, विद्यार्थियों को सशक्त नागरिक बना कर विश्व की तरक्की को बढ़ावा देता है। आर्य, शनिवार को स्कूल की प्राथमिक कक्षाओं के वार्षिक परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने के दौरान संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों भुवांश, भूविका, देवांशी, देविका, दक्ष आर्य, तीर्थ आदि को शुभकामनाएं व उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया। दूसरी ओर, स्कूल के प्रबंधक सुखबीर आर्य ने कहा की शिक्षा इंसान की तरक्की की राह है। जबकि स्कूल के कोषाध्यक्ष रतन आर्य ने आर्य शिक्षण संस्थाएं विद्यार्थियों को संस्कारी शिक्षा देती है। इधर, ओम दत्त आर्य व प्राचार्य डॉ. अशोक आर्य ने भी विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

श्री हनुमान जन्मोत्सव का पहला न्योता श्री राम प्रभु को दिया

पानीपत। श्री हनुमान जन्मोत्सव भाव यात्रा का न्योता देते हुए रामभक्त। फोटो : हरिभूमि

- हनुमान जी महाराज को पावन चोला सभी राम भक्तों के द्वारा अर्पित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत में असंध रोड नहर स्थित विराजमान प्राचीन सिद्ध श्री हनुमान मंदिर में श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित की जाने वाली भव्य श्री हनुमान जन्मोत्सव भाव यात्रा का प्रथम निमंत्रण शनिवार को समस्त राम भक्त पानीपत के द्वारा श्री राम प्रभु व श्री हनुमान के चरणों में समर्पित किया गया। सर्वप्रथम हनुमान जी महाराज को पावन चोला सभी राम भक्तों के द्वारा अर्पित किया गयापूजन, प्रसाद एवं महाआरती के पश्चात श्री हनुमान जन्मोत्सव भाव यात्रा के निमंत्रण पत्रिका का विमोचन हुआ। वहीं, लखदातार सेवा समिति के संस्थापक आशु दुआ ने बताया कि दो अप्रैल को मुल्तान भवन से श्री हनुमान जन्मोत्सव भाव यात्रा का आयोजन होगा। इस अवसर पर युवा समाजसेवी मेहुल जैन एडवोकेट, महेंद्र हुड़िया, विशाल धवन, हरीश कोचर, सुनील शर्मा, पुजारी चेतन शर्मा, इंसार बाजार के प्रधान गौरव लीखा, गिरीश माटा, आशीष अग्रवाल, आठ मरला एसोसिएशन के प्रधान सुरेश आहूजा, वरुण तायल, विपिन अरोडा, रवि राजपूत, वैभव छाबड़ा, अक्षय मिगलानी, विनीत खुराना, मदन आज़ाद आदि उपस्थित रहे।

आर्य समाज हुडा में सामवेद पारायण महायज्ञ का शुभारंभ

पानीपत। आर्य समाज हुडा में महायज्ञ में आहूति देते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

आर्य समाज हुडा सेक्टर 12 द्वारा विक्रम संवत 2083 और आर्य समाज स्थापना दिवस के अवसर पर सामवेद पारायण महायज्ञ का प्रारंभ किया गया। जिसकी पूर्णाहुति रविवार को होगी। जबकि शाम को भव्य भजन संध्या कार्यक्रम आयोजित हुआ।

यज्ञ ब्रह्मा डॉ.मनु आर्य ने आचार्य शुभम के साथ सामवेद के पावन मंत्रों के साथ विशेष रूप से यज्ञ सम्पन्न कराया। यज्ञ के द्वारा विश्व शांति की प्रार्थना की गयी। वहीं भजन संध्या में आचार्य कुलदीप ने महर्षि दयानंद के गुणों की चर्चा करते हुए सच्चे ईश्वर की उपासना के महत्त्व से अवगत कराया। आर्यसमाज के प्रधान आर्य सुरेश मलिक ने अध्यक्षता करते हुए सभी का धन्यवाद किया।

लोक-विरासत को बचाने का महायज्ञ है सांग महोत्सव

- आर्य कॉलेज में रत्नावली सांग महोत्सव में यूटीडी के विद्यार्थियों ने 'नौ बहार धर्म देवी' के सांग का मंचन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

आर्य पीजी कॉलेज में शनिवार को 11वें रत्नावली युवा सांग महोत्सव के तीसरे दिन लोक-कला और आधुनिक युवा जोश का अद्भुत संगम देखने को मिला। महोत्सव के तीसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में कुरुक्षेत्र विवि के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के निदेशक प्रो. डॉ. विवेक चावला ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर कुरुक्षेत्र विवि की सांस्कृतिक गतिविधियों के समन्वयक डॉ. हरविंद्र राणा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पानीपत। आर्य कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता अतिथियों का स्वागत करते हुए।

नौ बहार धर्म देवी' के सांग ने मोहा मन

महोत्सव के तीसरे दिन की सांस्कृतिक बेला में यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने सुप्रसिद्ध सांग 'नौ बहार धर्म देवी' का भव्य मंचन किया। कलाकारों ने अपनी सधी हुई गायकी और अभिनय के माध्यम से सांग विधा की बारीकियों को बखूबी उकेरा। ढोलक की थाप और सारंगी की सुरीली तान पर जब कलाकारों ने लोक-कथा के पात्रों को जीवंत किया, तो पूरा सभागार तालियों की गूंज से सराबोर हो गया। वहीं, मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. विवेक चावला ने अपने संबोधन में कहा कि आर्य कॉलेज का यह मंच केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी लोक-विरासत को बचाने का एक महायज्ञ है।

हमारी संस्कृति सुरक्षित हाथों में

युवा विद्यार्थियों द्वारा सांग जैसी कठिन विधा को इतनी निपुणता से प्रस्तुत करना यह दर्शाता है कि हमारी संस्कृति सुरक्षित हाथों में है। इधर, विशिष्ट अतिथि डॉ. हरविंद्र राणा ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सांग हरियाणा की वह धरोहर है जिसमें साहित्य, संगीत और लोक-जीवन का सार छिपा है। रत्नावली महोत्सव ने युवाओं के भीतर अपनी बोली और अपनी माटी के प्रति गर्व का भाव जागृत किया है। दूसरी ओर, कॉलेज प्राचार्य प्रो.डॉ. जगदीश गुप्ता ने कहा कि आज आर्य कॉलेज का यह प्रांगण कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की उस महान 'रत्नावली' परंपरा का साक्षी बन रहा है, जिसने हरियाणा की लोक-कला को अंतरराष्ट्रीय पहचान दी है।

डिजिटल मार्केटिंग का ज्ञान अत्यंत आवश्यक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। आईबी कॉलेज में विजेता विद्यार्थी अपने टीचर्स के साथ। फोटो : हरिभूमि

आईबी पीजी कॉलेज में विपणन प्रबंधन विभाग की ओर से डिजिटल मार्केटिंग व्यवसाय के विकास में कैसे सहायक है विषय पर पीपीटी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने बताया कि डिजिटल मार्केटिंग आज के समय में व्यवसाय को बढ़ाने का एक प्रभावी माध्यम बन चुकी है। प्राचार्य डा. सतवीर सिंह ने कहा कि आज के डिजिटल युग में व्यवसाय को सफल बनाने के लिए डिजिटल मार्केटिंग का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। इसके माध्यम से व्यवसाय अपनी पहचान को वैश्विक स्तर तक पहुँचा सकते हैं और ग्राहकों के साथ सीधा संपर्क स्थापित कर सकते हैं। उप प्राचार्या डॉ.शशि प्रभा मलिक ने कहा कि आधुनिक दौर में डिजिटल मार्केटिंग व्यवसाय की वृद्धि का एक महत्वपूर्ण साधन बन चुकी है। विपणन प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ. पूनम ने सभी सहयोगियों का धन्यवाद किया। निर्णायक मंडल में साक्षी मुंजाल, रूबी, अनु शामिल रहे। संचालन सोनिया ने किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राची एवं चेल्सी, द्वितीय प्रियांशु व वंशिका, तृतीय रोहित व महक और सांत्वना पुरस्कार सौरभ ने प्राप्त किया।

पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा खतरा है प्लास्टिकः शर्मा

- आईबी कॉलेज में ग्राहक पंचायत की हरियाणा प्रांत की बैठक का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ समालखा

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत हरियाणा की प्रमुख कार्यकारिणी की बैठक प्रांत अध्यक्ष रवि यादव की अध्यक्षता में आईबी कॉलेज में हुई। बैठक में प्रांत के 22 में केवल आठ जिले सक्रिय होने पर अन्य को सक्रिय करने के लिए रोहतक जिले की जिम्मेदारी प्रांत उपाध्यक्ष डीके शर्मा, सोनीपत की क्षेत्रीय संगठन मंत्री नवीन जैन, यमुनानगर पंचकूला की प्रधान सचिव व सह सचिव को संयुक्त रूप से दी गई। प्रांत कोषाध्यक्ष विकास द्वारा सभी जिलों के कोषाध्यक्षों से संपर्क कर उनकी आय व व्यय का विवरण एकद्ध कर प्रांत की एक बैलेंस शीट बनाने की जिम्मेदारी दी गई।जबकि मुख्यमंत्री नायब सैनी से मोबाइल लैब टेस्टिंग की मंजूरी मिलने के बाद उसके प्रचार प्रसार के लिए केंद्र पदाधिकारी के सहयोग से प्रचार करने का कार्यक्रम चलाने पर भी विचार किया गया। वहीं प्लास्टिक पर कैसे रोक लगे, जल संरक्षण के बारे में तथा पर्यावरण से संबंधित कार्यक्रम करने की भी रूपरेखा तैयार की गई।

पानीपत। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत में भाग लेते हुए पदाधिकारी।

जबकि प्रांत प्राधिकारियों की जिलों में निमित्त प्रवास के लिए भी ड्यूटी लगाई गई। जिसमें मुनेश रेवाड़ी, भगवन सिंह रोहतक, गुरुदत्त नूंह, अलका पलवल, विकास गुरुग्राम, नवीन जैन सोनीपत, प्रदीप बंसल, फरीदाबाद डॉ.रवि यादव नारनौल, प्रमोद व राजेश नरूला यमुनानगर तथा पंचकूला में प्रवास कार्यक्रम करेंगे।

घर-घर लगेगा हुनमान का झंडा

पानीपत। श्री हनुमान जन्मोत्सव पर पानीपत के घर घर में सालासर से आया झंडा वितरित होगा। हनुमान जन्मोत्सव समिति द्वारा सालासर मंदिर के प्रांगण में ध्वज का पूजन किया गया एवं यह घोषणा की गई। समिति ने बताया कि झंडों का वितरण हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान किया जाएगा। समिति ने कहा यह झंडा सिर्फ धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि सनातन सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इस अवसर पर दशहरा कमेटी सनौली रोड के प्रधान रमेश माटा, सतबीर गोयल, कृष्ण रेवड़ी, संजय गोयल, योगेश जिंदल, हरीश बंसल, डॉ.रमेश, अशोक नारंग व विकास गोयल आदि मौजूद रहे।

स्वयं सेवी विद्यार्थियों ने योग किया

पानीपत। एसडीपीजी कॉलेज में आयोजित एनएसएस कैंप में स्वस्थ, प्रसन्न चित्त और तनाव मुक्त कैसे रहें विषय पर आर्ट आफ लिविंग के वरिष्ठ प्रशिक्षक सुरेंद्र गोयल द्वारा व्याख्यान दिया गया। जिसमें 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। छात्रों को खुश रहने और तनाव मुक्ति के व्यावहारिक तरीके बताए गए और प्राणायाम, सुदर्शन क्रिया, ध्यान योग करवाया गया। मंच संचालन डॉ.संतोष कुमारी ने किया। जबकि आर्ट आफ लिविंग के वालंटियर रविंद्र कुमार, प्राचार्य डा. अनुपम अरोड़ा व प्रोग्राम ऑफिसर डॉ.राकेश गर्ग उपस्थित रहे।

चार नई सड़कें ग्रामीणों को समर्पित

शाहबाद। गांव कलसाना में पंचायत समिति की ओर से लाखों रुपये की लागत से चार नयी सड़कों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया। इन सड़कों का उद्घाटन भाजपा नेता सुभाष कलसाना ने नारियल फोड़कर किया। उद्घाटन के दौरान जहां विकास कार्यों को लेकर संतोष नजर आया, वहीं ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं भी सामने रखीं। कार्यक्रम के दौरान सुभाष कलसाना के गांव पहुंचने पर ब्लॉक समिति सदस्य सुमित नरवाल और सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश के नेतृत्व में उनका स्वागत किया गया। इसके बाद आयोजित जनसभा में ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे और मुख्यातिथि के विचारों को सुना। सभा को संबोधित करते हुए सुभाष कलसाना ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में पंचायत स्तर पर सशक्तिकरण के साथ विकास कार्यों को गति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि गांवों में मूलभूत सुविधाएं मजबूत हों और हर गली तक विकास पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि जिन विभागों की सड़कों में दिक्कतें हैं, उनके सुधार के लिए कहा गया है। ब्लॉक समिति सदस्य सुमित नरवाल ने निर्माण कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि गांव में अलग-अलग स्थानों पर सड़कों का निर्माण कराया गया है।

आईसीएआई द्वारा पियर रिव्यू पर ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन

फर्मों के लिए पियर रिव्यू ऑडिट कराना भी होगा अनिवार्य

सीए सदस्यों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। आईसीएआई पानीपत चेप्टर में ट्रेनिंग प्रोग्राम का दीप जला कर शुभारंभ करते हुए अध्यक्ष सीए भूपेंद्र दीक्षित, आदि।

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की उत्तरीय भारतीय क्षेत्रीय परिषद की पानीपत शाखा द्वारा पीयर रिव्यू बोर्ड, आईसीएआई के सहयोग से शनिवार को शाखा के प्रधान सीए भूपेंद्र दीक्षित की अध्यक्षता में पियर रिव्यू विषय पर एक दिन का ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया। पियर रिव्यू विषय के मुख्य वक्ता सीए आयुष जैन, सीए राज चावला और सीए नकुल अरोड़ा रहे। वहीं, सभी वक्ताओं ने पीयर रिव्यू के महत्व, प्रक्रिया, रिपोर्टिंग, गुणवत्ता नियंत्रण ढांचे, तकनीकी मानकों के अनुपालन एवं ऑडिट डॉक्यूमेंटेशन जैसे विषयों बताया कि जिस तरह व्यवसायों के संस्थानों के खातों की ऑडिट कराना अनिवार्य है उसी तरह आने वाले दो वर्षों के अंदर लगभग सभी फर्मस के लिए पियर रिव्यू ऑडिट भी कराना अनिवार्य हो जाएगा। व्यवसायिक संस्थानों के खातों की ऑडिट करते समय हमें किन दस्तावेज को संभाल कर रखना और किन बातों का ध्यान रखना इसकी विस्तृत जानकारी दी उन्होंने सभी सीए सदस्यों द्वारा पूछे गए सवालो के जवाब दिए। पानीपत शाखा के अध्यक्ष सीए भूपेंद्र दीक्षित ने सभी प्रतिभागियों एवं वक्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम प्रोफेशनल्स को नवीनतम मानकों एवं प्रक्रियाओं से अवगत कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मौके पर ये मौजूद रहे

इस अवसर पर रजनी गोयल, जितेंद्र बांगा, निकासा पानीपत अध्यक्ष कंवरदीप सिंह, दिनेश गुप्ता, रजनी बत्रा, मितेश मल्होत्रा, जोगिंदर पाल, कृष्ण सेठी, राज कुमार रावल, सुकेश गुप्ता, मुकेश शर्मा, रमन मान, मनोज अरोड़ा, संदीप जैन, दिव्या दहूजा, अनुज शर्मा, हेमांशी, नवीन डिंगरा, विमल गोयल, मुकेश असीजा उपरोक्त सभी सीए उपस्थित रहे।

ईद उल फितर पर्व धूमधाम से मनाया

पानीपत। ईद उल फितर की नवाज अता करते हुए जायरिन। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत के शहरी व ग्रामीण अंचल में ईद उल फितर पर्व धूमधाम से मनाया गया। जायरिनों ने ईद की नवाज अता की और अल्लाह से विश्व शांति, सुख व समृद्धि की दुआ की। दूसरी ओर, ईद पर्व के मुद्देनजर जिला भर में पुलिस ने सुरक्षा के कडे प्रबंध किए थे। दूसरी ओर समाजसेवी मोहकम छोककर द्वारा गांव नवादा और जलालपुर सेकंड गाड़ी बेशक पत्थर गढ़ राणा माजरा में ईद पर सभी जायरिनों को ईद की बधाई दी। दूसरी ओर, समाजसेवी मुनीर गुर्जर जावेद अख्तर शहनाज गुरु नसीम रमजान अकबर अजीम समीर जावेद सोहम ने भी सभी को ईद की बधाई दी।

खबर संक्षेप

पच्चीस को टेलीफोन अदालत का आयोजन

अंबाला। सहायक महाप्रबंधक ने बताया कि अंबाला दूरसंचार जिले के अंतर्गत आने वाले सभी दूरभाष केंद्रों के उपभोक्ताओं की टेलीफोन सेवाओं से संबंधित शिकायतों पर सुनवाई की जाएगी। शिकायतों को यथासंभव तुरन्त निपटाने के उद्देश्य से उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए टेलीफोन अदालत तथा खुला दरबार का आयोजन 25 मार्च 2026 दिन बुधवार को 11.00 बजे कार्यालय महाप्रबंधक दूरसंचार किया जाएगा। इस अदालत मे उपभोक्ताओं की समस्याओं एवं शिकायतों का निपटारा महाप्रबंधक द्वारा किया जाएगा।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

अंबाला। एनएचआरडीएफ द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन एमआईडीएच तहत प्याज एवं लहसुन की उन्नतशील प्रजातियां, उत्पादन तकनीकी एवं कटाई उपरांत प्रबंधन विषय पर कृषि विज्ञान केंद्र तेपला में आयोजित किए जा रहे पांच दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। इस कार्यक्रम में 50 किसानों ने भाग लिया। इस मौके पर डॉ राजीक ने बागवानी विभाग द्वारा प्याज एवं लहसुन पर चलाई जा रही योजनाओं एवं अनुदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

अंबाला रेंज के 28 जवानों को मिली पदोन्नति

अंबाला। बेहतर सेवाएं देने व कर्तव्यनिष्ठा निभाने वाले अंबाला रेंज के 28 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारी को पदोन्नति का तोहफा मिला है। अंबाला रेंज के आईजी पंकज नैन सभी पदोन्नत कर्मियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इनमें रेंज के 9 अधिकारियों को ऑनरेरी इंस्पेक्टर के पद पर प्रमोट किया गया है, जबकि 19 सहायक उप-निरीक्षकों (एएसआई) को उप-निरीक्षक (एसआई) बनाया गया है। ईएसआई, एचसी एएसआई से ऑनरेरी इंस्पेक्टर में चरणजीत सिंह, सुरेंद्र आदि शामिल हैं।

जीएम ने बस अड्डे का औचक निरीक्षण किया

अंबाला। हरियाणा रोडवेज अंबाला डिपो के महाप्रबंधक अश्वनी डोगरा ने अंबाला कैंट बस अड्डे का औचक निरीक्षण किया। दौरान उन्होंने यात्री सुविधाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ईद-उल-फितर का पावन त्योहार आस्था और उल्लास के साथ मनाया

देश की खुशहाली और भाईचारे की मजबूती के लिए दुआएं मांगीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला शहर में आज ईद-उल-फितर का पावन त्यौहार पूरे धार्मिक उत्साह, आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही शहर की विभिन्न मस्जिदों में नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी। जामा मस्जिद, मक्का मस्जिद, मस्जिद मदीना, मस्जिद गनी, मस्जिद लक्खीशाह तथा मस्जिद ईदगाह सहित अन्य इबादतगाहों में हजारों अकीदतमंदों ने एक साथ ईद की नमाज अदा की।

नमाज के उपरांत लोगों ने एक-दूसरे को गले लगा ईद की मुबारकबाद दी

नमाज के बाद लोगों ने देश की खुशहाली, अमन-शांति और भाईचारे की मजबूती के लिए विशेष दुआएं मांगीं। नमाज के उपरांत लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी, जिससे पूरा वातावरण प्रेम और सद्भावना से सराबोर हो गया। इस अवसर पर अंजुमन इसलाहुल मुस्लिमीन सोसायटी के जिला प्रधान सैयद अहमद खान ने प्रदेशवासियों को ईद-उल-फितर और माता रानी के नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ईद-उल-फितर मुसलमानों के लिए खुदा की एक बड़ी नेमत है जो रमजान के पूरे महीने रोजा रखने के बाद ईनाम के रूप में मिलती है। यह पर्व हमें संयम, त्याग, सब्र और मानवता की सेवा का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि 'ईद-उल-फितर' शब्द का अर्थ फितरा अदा करने से जुड़ा है, जो हर मुसलमान पर अनिवार्य होता है।

अंबाला। एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद देते मुस्लिम समाज के लोग। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि वे ईद के इस पावन अवसर पर आपसी रंजिशें भुलाकर एक-दूसरे को गले लगाएँ और समाज में फैली ऊंच-नीच, अमीर-गरीब की खाई को समाप्त करने का प्रयास करें। इस मौके पर मुफ्ती मोहम्मद शहबाज कासमी, सैयद अमीनुर रहमान, कारी मोहम्मद राशिद, कमरूल इस्लाम, नासिर हुसैन, सरफराज, शाहनवाज, मोहम्मद सोहेल, कारी उजैर अहमद, नौशाद हुसैन, असद अहमद, रज्जुक तुल्ला खान, मुहम्मद सिराजुल, शाहिद ठेकेदार, मशरूफ सिद्दीकी, अब्दुल वली खान सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर ईद की खुशियां साझा कीं और समाज में प्रेम, शांति और एकता बनाए रखने का संकल्प लिया।

रोजा इंसान को आत्म संयम-धैर्य सिखाता है

सैयद अहमद खान ने कहा कि इस्लाम में जकात और फितर देने का विशेष महत्व है। जो व्यक्ति साहिबे निसाब (यानी जिसके पास साढ़े 7 तोला सोना या साढ़े 52 तोला चांदी या उसके बराबर रकम) होता है उस पर अपनी संपत्ति का 2.5 प्रतिशत हिस्सा जरूरतमंदों जैसे फकीर, मिस्कीन, कर्जदार, मुसाफिर और अन्य जरूरतमंदों को देना फर्ज होता है। इसके अलावा हर परिवार के प्रत्येक सदस्य की ओर से फितरा के रूप में लगभग ढाई किलो गेहूं या उसकी कीमत गरीबों को देना आवश्यक माना गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि समाज का कोई भी वर्ग ईद की खुशियों से वंचित न रहे और सभी लोग मिलकर इस त्योहार को समान रूप से मना सकें। उन्होंने आगे कहा कि रोजा इंसान को आत्म संयम और धैर्य सिखाता है, वहीं ईद का दिन इन मूल्यों को जीवन में उतारने का अवसर प्रदान करता है। इस्लामी त्यौहार केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं हैं बल्कि वे समाज में भाईचारा, सहानुभूति और इंसानियत का संदेश फैलाते हैं।

बराड़ा। ईद की नमाज अदा करने के बाद मस्जिद में जलपान करते हुए नमाजी।

मुस्लिम समाज के लोगों ने धूमधाम से मनाई ईद

- नमाज पढ़ने के बाद मांगी देश के अमन-चैन की दुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

क्षेत्र में ईद उल फितर का पावन पर्व धूमधाम से मनाया गया। पवित्र ईद के मौके पर मुस्लिम समाज में खुशियों और उत्साह का माहौल देखने को मिला। सुबह होते ही लोग नए कपड़े पहनकर ईदगाह, मस्जिदों की ओर रवाना होने लगे। जहां पर बड़ी संख्या में नमाजियों ने एकत्र होकर सामूहिक रूप से ईद-उल-फितर की नमाज अदा की। बराड़ा के इलावा मुलाना, सिरसगढ़, जलूबी, तंदवाल में ईद की सामूहिक नमाज पढ़ी गई। गांव तंदवाल में ईद की नमाज से पहले इमाम साहब ने तकरीर करते हुए लोगों को आपसी भाईचारे, प्रेम और शांति का संदेश दिया। नमाज के बाद देश के अमन - चैन की दुआ मांगी गई। नमाज अदा करने के बाद सभी लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर "ईद मुबारक" कहा और खुशियां सांझा कीं। छोटे बच्चों में ईद को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला, जो नए कपड़े पहनकर और ईदी पाने की खुशी में झूमते नजर आए। नमाज के बाद सभी नमाजियों के लिए दस्तरखान तैयार किए गए। महिलाओं ने भी घरों में तरह-तरह के पकवान बनाकर इस त्यौहार की रौनक को बढ़ाया।

ये रहे मौजूद

गांव के कुछ बुजुर्गों ने बताया कि ईद का त्यौहार सिर्फ खुशियां मनाने का ही नहीं बल्कि जरूरतमंदों की मदद करने और समाज में भाईचारा बनाए रखने का भी संदेश देता है। इस अवसर पर कई लोगों ने गरीबों और जरूरतमंदों को जकात और फितरा देकर अपनी जिम्मेदारी निभाई। नमाज के बाद लोगों ने अपने-अपने घरों में जाकर परिवार के साथ ईद का जश्न मनाया। घरों में सेवइयों की मिठास और खुशियों की महक पूरे गांव में फैल गई। लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर बधाई दी। मिल-जुलकर त्यौहार का आनंद लिया। इस तरह ईद का त्यौहार पूरी श्रद्धा, उल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया जिसने समाज में एकता और सद्भाव का संदेश दिया। इस मौके पर अनवर खान, रशीद मोहम्मद, जाफरदीन, मुख्तयार खान, घसीटूदीन, रमेश, खैरदीन, मेहरबान, जयपाल, मामूदीन भी मौजूद रहे।

जनगणना में डीएनटी का कॉलम हो

- डीएनटी समाज के पदाधिकारियों ने नेता विपक्ष के समक्ष रखी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

विमुक्त घूमंतू अर्ध घूमंतु जनजाति का देश भर से एक प्रतिनिधि मंडल ऑल इंडिया कांग्रेस के अनुसूचित विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन राजेंद्र पाल गौतम की देखरेख में राष्ट्रीय समन्वयक व विमुक्त घूमंतु जनजाति के राष्ट्रीय प्रभारी एसपी सिंह लबाना की अध्यक्षता मे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से उनकी माता सोनिया गांधी के आवास पर मिला। इसमें रेनके आयोग के पूर्व चेयरमैन बाल कृष्ण रेनके ने भी शिरकत की। बैठक मे लबाना ने डीएनटी समाज जो पूरे देश में 15 करोड़ से ऊपर है व सभी प्रांतों मे अपना जीवन यापन करता जो देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष उपरांत भी मुलभुत सुविधाओं से वंचित है। समाज के लिए मांग कि प्रस्तावित होने वाली जनगणना में डीएनटी का कालम हो ताकि इस समाज की सही आबादी सामने आ सके।

अंबाला। नेता विपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात करते डीएनटी समाज के लोग।

राहुल गांधी ने सहमति जताई

इससे वंचित समाज भी देश की मुख्य धारा मे शामिल हो सके इस अवसर पर अशोक बरतिया ने भी राहुल गांधी से यह अपील की कांग्रेस पार्टी मे इस समाज को जोड़ने के लिए जो कांग्रेस की विचार धारा में विश्वास रखता उसके लिए विभाग बनाया जाए। इस पर राहुल गांधी ने अपनी सहमति जताई।

नमाज अदा कर दी ईद की मुबारकबाद

- नमाज अदा कर अल्ला ताला से बरकत तथा विश्व में अमन-चैन की दुआ मांगी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला शहर की बादशाही मस्जिद में रजा-ए-मुस्तफा वेलफेयर सोसायटी द्वारा ईद-उल-फितर पर्व श्रद्धा एवं विश्वास के साथ मनाया गया । रजा-ए-मुस्तफा वेलफेयर सोसायटी के प्रधान मोहम्मद मेराज आलम ने बताया कि मुस्लिम समाज के लोगों ने बादशाही मस्जिद में नमाज अदा करके अल्ला ताला से बरकत तथा विश्व में अमन चैन की दुआ मांगी। बादशाही मस्जिद मे ईद की नमाज इमाम मौलाना मोबससिर रजा ने पढाई।इस दौरान सभी ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद पर्व की बधाई दी। मेराज अलाम ने कहा कि ईद का त्योहार हमें भाईचारे का संदेश देता हैं, जिससे मिल - जुलकर रहने की प्रेरणा मिलती है । जो मुस्लिम समुदाय का व्यक्ति दूसरे धर्मों को आदर नहीं करता वह सच्चा मुसलमान नहीं है। उन्होंने सभी मुस्लिम भाईयों को बुराई के रास्ते को त्यागकर अच्छाई के रास्ते पर चलने की नसीहत दी। नमाज अता करने के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने जमकर खरीददारी की व एक दूसरे को ईद की बधाई दी। ईद के पकवान सिवईयां का लुत्फ उठाया।

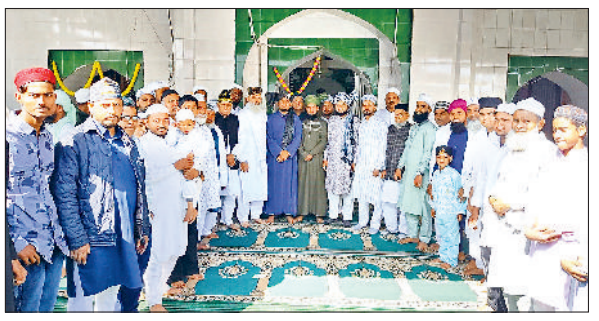

अंबाला। ईद पर एकजुट मुस्लिम समाज के लोग। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर शाहिद खान, मोहम्मद शमशाद, मोहम्मद फारुख, मोहम्मद नौशाद, इसरार खान, वाहिद, अमीन, मोहम्मद नूर, आजम, मोहम्मद जुनैद अंसारी, मोहम्मद उवैश, मोहम्मद शान अरशद अली, मोहम्मद आदिल, मोहम्मद शाहिद, मोहम्मद शमीम, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद सालिक, मोहम्मद ईशाक, मासूम रजा, वसीम रजा, अबरार अंसारी आदि मौजूद रहे।

वेंडर पर दस हजार का जुर्माना लगाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों से अतिरिक्त रुपये लेने को लेकर वेंडर पर जुर्माने की कार्रवाई हुई है। अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर स्थित कैटरिंग स्टाल संख्या-1 से रेल नीर की बोतल निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बेची गई। शिकायत सही पाए जाने पर रेलवे ने सख्त कार्रवाई की है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने आरोपी वेंडर मेसर्स रेखा मीणा पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है, इसके साथ ही चेतावनी दी है कि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति होने पर लाइसेंस निरस्त करने जैसी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। : मामले का खुलासा तब हुआ जब एक यात्री ने रेल मदद पोर्टल पर ओवरचार्जिंग को लेकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि 11 मार्च 2026 को स्टाल पर पानी की बोतल के लिए तय मूल्य से अधिक रुपये वसूले गए। खास बात यह है कि उक्त वेंडर के खिलाफ पहले भी इस तरह की शिकायतें प्राप्त हो चुकी थीं। शिकायत मिलते ही वाणिज्य विभाग की टीम ने स्टेशन पर औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान यात्रियों से पूछताछ और स्टाल की गतिविधियों पर नजर रखने के बाद ओवरचार्जिंग की पुष्टि हुई।

- यात्री की शिकायत पर रेलवे की ओर से हुई कार्रवाई

भाजपा-कांग्रेस मिलकर प्रदेश को कर रही बर्बाद

- इनेलो नेता शेर सिंह बड़शामी ने युवा सम्मेलन के लिए ग्रामीणों को दिया निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ⏭ शहजादपुर

इंडियन नैशनल लोकदल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व जिला के प्रभारी शेर सिंह बड़शामी ने कहा जनता जान चुकी है कि भाजपा व कांग्रेस दोनों पार्टियां मिलकर प्रदेश को बर्बाद कर रही हैं। अब पूरे प्रदेश की जनता इंडियन नेशनल लोकदल की तरफ उम्मीद की निगाह से देख रही है। आने वाले समय इंडियन नेशनल लोकदल का है। बड़शामी शहीद भगत सिंह सुखदेव, राजगुरु के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में 23 मार्च को नरवाना में होने वाले इनैलो के युवा सम्मेलन को लेकर रछेड़ी में आयोजित पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक की अध्यक्षता इनेलो जिलाध्यक्ष जगमाल सिंह रोलौं ने की। शेर सिंह बड़शामी ने जनता से आह्वान किया कि जात-पात का जहर घोलने वालों को छोड़कर जनता के हित में कार्य करने वाले लोगों के साथ खड़े हों। उन्होंने कहा कि आज भाजपा सरकार बेरोजगारी के साथ-साथ हर वर्ग के साथ भेदभाव कर रही है। ऐसे में केवल अभय सिंह चौटाला लोगों की लड़ाई लड़ रहे हैं। उससे स्पष्ट है कि प्रदेश की जनता उनका साथ देकर उन्हें प्रदेश की सत्ता सौंपने का काम करेगी।

शहजादपुर। इनेलो कार्यकर्ताओं को संबोधित करते शेर सिंह बड़शामी।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर प्रदेश महासचिव शीशपाल जंधेड़ी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तेजपाल शर्मा, आईएसओ के जिलाध्यक्ष आजादविंदर सिंह जगोली,भूप सिंह गुर्जर, तारा सिंह रछेड़ी, इकबाल सिंह रछेड़ी, जसपाल सिंह, मुकेश कुमार, गोल्डी बतौरा, अकरम खान, मौसिम खान, सुरजीत सिंह, जगदीश बुड्ढाखेड़ा, रिंकू जटवाड़, शेरा , राजेश, बलदीप सिंह, संपत सिंह, साहब सिंह शेरपुर, बलविंदर बेरपूरा, जसवंत रोलों, मनीष बिल्लपुरा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोटे मुनाफे के चक्कर में युवक ने 43.22 लाख रुपये गंवाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

साइबर ठगों ने घर बैठे काम व ऑनलाइन रेटिंग के जरिए मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर नन्हेड़ा के मिलाप नगर के ऋषभ शर्मा से 43.22 लाख रुपये धोखाधड़ी की है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ऋषभ शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह एक टेलीकॉम कंपनी में कार्यरत है। सितंबर 2025 में उसे टेलीग्राम पर एक आईडी से मैसेज मिला था। जिसमें रेंट कंपनी की संपत्तियों को ऑनलाइन रेटिंग देने के बदले मुनाफे का वादा किया गया था। शुरुआत में उसे रिलेटर्स सर्कल नाम के ग्रुप में जोड़ा गया व कुछ छोटे टास्क पूरे करने पर विश्वास जीतने के लिए मामूली रिटर्न भी दिखाया गया। पहले 10 हजार रुपये जमा करवाए गए। ठगों ने उसे सपोर्ट टीम से बात करने को कहा। इसके बाद उसे मोटे मुनाफे का लालच दिया गया। परिवादी का आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने उसके साथ मोटी ठगी। पुलिस ने केस दर्ज कर अब आरोपियों की तलाश चल रही है।

रेंट कंपनी की संपत्तियों को ऑनलाइन रेटिंग देने के बदले मुनाफे का वादा किया गया था।

- पुलिस ने दर्ज किया केस

रिहायशी भवन में सोना दबा होने का लालच देकर 14.60 लाख ठगे

- पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की

हरिभूमि न्यूज ⏭ शहजादपुर

घर में सोने-चांदी की ईंटें दबी होने का झांसा देकर तांत्रिक विद्या के नाम पर किसान अजय से 14.60 लाख रुपये की ठगी हो गई। शातिर पांच ठगों ने रुपये हड़पने के बाद किसान को नकली सिक्के थमा दिए। किसान को बाद में ठगी का पता चला। शहजादपुर पुलिस ने डीएसपी नारायणगढ़ के आदेश पर पांच आरोपी यमुनानगर के डारपुर गांव अली अहमद, अब्दुल वाजिद व सहारनपुर के मच्छरेहड़ी गांव के जाकिर खान, उसकी पत्नी अंजुम जाखिर व एक अन्य अली मलिक पर केस दर्ज किया है। यहां के रहने वाले अजय ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि जुलाई 2025 में उसकी मुलाकात अली अहमद, अब्दुल वाजिद और जाकिर खान से हुई थी। आरोपियों ने बातों में फंसाकर कहा कि उसके माथे की लकीरें बहुत तेज हैं। उसके घर में भारी मात्रा में सोना-चांदी दबा हुआ है, जिसे वह अपनी तांत्रिक शक्ति से निकाल सकते हैं। आरोपी उसे लगातार बहकाते रहे। 13 अगस्त 2025 को आरोपियों ने पहली बार उससे नकदी और चेक लिया। साहा, साढौरा और बिलासपुर में बुलाकर अलग-अलग तारीखों में कभी ऑनलाइन तो कभी नकद रुपये लिए गए।

जान से मारने की धमकी दी

आरोपियों ने कुल 14.60 लाख रुपये हड़प लिए। ठगी का अहसास तब हुआ जब आरोपियों ने एक मिट्टी के बर्तन में लाल कपड़े में लपेटकर कुछ सिक्के दिए, जो जांचने पर नकली पाए गए। रुपये मांगने पर आरोपियों ने परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति के सदस्य सचिव रोहित जैन ने सरकार पर बोला हमला

मुआवजे की राशि देखकर सरकार के किसान हितैषी होने की पोल खुली

मुआवजे के नाम पर प्रदेश सरकार धरतीपुत्रों से कर रही है मजाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

मुआवजे के नाम पर किसानों के साथ हो रहे मजाक को लेकर अब कांग्रेस ने राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला किया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति के सदस्य सचिव एडवोकेट रोहित जैन का आरोप है कि भाजपा सरकार मुआवजे के नाम पर किसानों को जलील कर रही है। कहा कि जिस तरह सरकार बाढ़ से प्रभावित फसलों का प्रीमियम इंश्योरेंस होने के बाद भी किसानों के खाते में में 200-300 रुपए मुआवजा आ रहा है उससे सरकार के किसान हितैषी होने की पोल खुल गई है। कहा कि इंश्योरेंस क्लेम की ये राशि देखकर किसान भी बेहद व्यथित हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसान हितैषी होने का थोथा दावा करती है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष एडवोकेट रोहित जैन ने कहा कि बरसाती सीजन में आई बाढ़ से प्रदेश के कई जिलों की फसलें पानी में डूब गई थी। इन फसलों का मुआवजा अब कंपनी द्वारा दिया जा रहा है। जैन ने आरोप लगाया कि कम नुकसान वाले खेत की जांच कर कंपनी अधिक नुकसान वाले खेतों को भी उसी के हिसाब से मुआवजा दे रही है। कहा कि किसानों के खातों में मुआवजे के नाम पर सिर्फ 171 रुपए आए हैं जबकि बीमा कपनी ने इंश्योरेंस की एवज में 4 हजार काट लिए है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के डेलीगेट एडवोकेट रोहित जैन ने कहा कि हिसार के सीसवाल गांव के सत्यवीर के खाते में मुआवजे के नाम पर केवल 983 रुपए हैं।

एडवोकेट रोहित जैन।

- इंश्योरेंस क्लेम की राशि देखकर किसान व्यथित

नाममात्र का क्लेम डाला जा रहा

डिस्ट्रिक बार एसोसिएशन के पूर्व प्रेजिडेंट रोहित जैन ने कहा कि राज्य सरकार ने तो महिला किसानों का भी उपहास बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने बताया कि हिसार के ही गांव सीसवाल की महिला किसान निर्मला देवी के खाते में फसल खराब होने पर मुआवजे के नाम पर केवल 127 रुपये की राशि आई है। जबकि उसकी साढ़े तीन एकड़ फसल को बरसाती पानी से नुकसान हुआ है। जैन ने कहा कि जिस तरह सरकार मुआवजे के नाम पर किसानों का बेवकूफ बना रही है उससे साफ जाहिर है कि उसकी नीति व नीयत पूरी तरह से किसान विरोधी है। किसानों के खाते में नाममात्र का क्लेम डाला जा रहा है जबकि बीमे के नाम पर उन्हें मोटा चूना लगाया जा रहा है। उन्होंने इस बार पर भी दुख जताया कि प्रदेश में ऐसे किसानों की संख्या भी बेहद ज्यादा है जोकि 2022 का बीमा क्लेम के लिए भटक रहे हैं।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 22 मार्च 2026

रील एडिक्शन

हेल्थ-लाइफ के लिए हार्मफुल

सोशल मीडिया पर रील्स की भरमार मौजूद रहती है। हर उम्र के लोग इसकी लत के शिकार हो रहे हैं। इससे उनके शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर भी प्रभाव पड़ रहा है। इससे बचने के लिए घर-बाहर अनुशासित रहते हुए कुछ नियमों का पालन करना जरूरी है। आप सभी के लिए बहुत जरूरी सलाह।

{ कवर स्टोरी / रजनी अरोड़ा }

वर्तमान डिजिटल युग में वर्चुअल दुनिया की लत, नई महामारी के रूप में तेजी से उभर रही है। जिसके विभिन्न प्लेटफॉर्मों के मोहपाश में अमूमन हम सभी बंधे हुए हैं। जेन-जी कहलाने वाली युवा पीढ़ी तो रियल वर्ल्ड के बजाय आर्टिफिशियल रील वर्ल्ड में घूम रही है। सोशल मीडिया पर वायरल होने, ख्याति पाने, फॉलोअर्स बढ़ने और पैसा कमाने की मंशा से रोज कंटेंट क्रिएट करने या फन रील्स बनाने की रैट रेस में शामिल हैं। इसके चलते न सिर्फ अभद्र आचरण, बल्कि अमर्यादित भाषा-डांस का भी सहारा लेते हैं। यही नहीं कई बार खुद अपनी और दूसरों की जान भी खतरे में डालने से गुरेज नहीं करते हैं। इसी वजह से आए दिन सोशल मीडिया को लेकर कई दुखद खबरें सुर्खियों में रहती हैं। ऐसे में डिजिटल एडिक्शन से बचने के लिए प्रभावी कदम उठाने जरूरी हैं।

बर्बाद होता है कीमती समय गौर करें तो अधिकांश सोशल मीडिया रील्स में कोई तर्क, तथ्य नहीं होता है। स्वस्थ और मर्यादित मनोरंजन भी नहीं होता। लेकिन इनकी लत ऐसी है कि लाखों-करोड़ों लोगों का कीमती वक्त रील्स देखने में गुजर जाता है। असल में टेक्नीक बेस्ड सोशल मीडिया कंपनियों का एल्गोरिदम, व्यूअर्स को खुद से जोड़े रखने के लिए पसंद के मुताबिक रील्स एक के बाद एक दिखाता रहता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में इंस्टाग्राम के लगभग 240 करोड़ यूजर्स हैं, जिनमें से तकरीबन 50 करोड़ भारत में हैं। जो रोजाना तकरीबन 1 करोड़ 76 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं और 350 करोड़ रील्स दूसरों से शेयर करते हैं। टिकटॉक पर तो यह आंकड़ा 10 गुना ज्यादा है यानी रोजाना 19 करोड़ 78 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं। वहीं मेटा के हिसाब से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर रोज तकरीबन 20 हजार करोड़ रील्स देखी जाती हैं।

क्या होता है असर: बहुत ज्यादा रील्स देखने से हमारे ब्रेन में डोपामाइन का विस्फोट होता है। यह एक न्यूरोट्रांसमीटर है, जो हमारी हैप्पीनेस के लिए जिम्मेदार है और यह रिवार्ड सिस्टम की तरह काम करता है। लाइक्स, ज्यादा से ज्यादा व्यूअर, फॉलोअर और सब्सक्राइबर मिलने से डोपामाइन बढ़ जाता है। यह और ज्यादा रील्स देखने के लिए मजबूर करता है। वहीं आपकी पोस्ट पर अगर ज्यादा लाइक्स या अच्छे कमेंट्स नहीं मिलते, तो हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं, खुद को दूसरे से कमतर समझने लगते हैं और नेगेटिविटी का शिकार हो जाते हैं।

रिश्तों से बढ़ रही दूरी: रील बनाने के जुनून ने युवाओं की सोच और जीवनशैली पर गहरा असर डाला है। रील्स न बनाने वाले को आजकल पुराने जमाने या जेन एक्स की सोच वाला माना जाता है। ऐसे लोग वास्तविक जीवन में सार्थक बातचीत और अनुभवों को साझा करने के बजाय सोशल मीडिया में लगे रहते हैं। जिसके चलते वे अपने रिश्ते-नातों, अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ रहे हैं। सामाजिक अलगाव, तनावपूर्ण रिश्ते और वास्तविक दुनिया में सामाजिक मेलजोल में कमी आ रही है।

बढ़ रही हैं शारीरिक समस्याएं: खेलने या फिजिकल एक्टिविटी करने के बजाय घर की चारदीवारी में मोबाइल या टैब पर घंटों बैठे रहते हैं। आउटडोर गेम्स खेलने से दूर होते जा रहे हैं। गतिहीन जीवनशैली की वजह से मोटापा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो रही हैं। आंखों में तकलीफ होती है, ड्राई आई विजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गलत पोश्चर में काम करने से गर्दन और पीठ में दर्द की शिकायत रहती है। स्क्रीन से निकलने वाली ब्ल्यू रेज से नींद में खलल पड़ सकता है, नींद की क्वालिटी प्रभावित होती है।

ऐसे छूटेगी रील एडिक्शन: सोशल मीडिया की लत, उसके नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए एक सुरक्षित और अधिक सकारात्मक ऑनलाइन वातावरण को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

स्क्रीन टाइम सीमित रखें: जानें कि आप अपने डिवाइस का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं और इससे आप क्या हासिल करना चाहते हैं? मैच्योर माइंड से दिन में टाइम लिमिट निर्धारित करें। दृढ़ संकल्प लें कि सोशल मीडिया का उपयोग कम से कम करना है। दिनचर्या नियत करें, जिसमें सोशल मीडिया के लिए नियत समय या एकाध घंटा निर्धारित करें। खुद के लिए समय निकालें। सभी फैमिली मेंबर्स खुद से कमिट करें कि उन्हें कुछ मिनट या अधिकतम आधे घंटे स्क्रीन देखना है।

डिजिटल लिट्रेसी है जरूरी: पैरेंट्स के लिए डिजिटल दुनिया की उपयोगिता, डिजिटल-स्पेस, इंटरनेट की अच्छाइयों, बुराइयों को जानना जरूरी है। ध्यान रखना चाहिए कि बच्चे किसी गेमिंग या गेंबलिंग एप का हिस्सा न बन रहे हों। बच्चों में रियल लाइफ के रिश्तों और रील लाइफ की आभासी दुनिया और सही-गलत में अंतर करने की समझ विकसित करनी चाहिए। डिजिटल गैजेट्स टाइम पास या गेम खेलने के बनिस्पत बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयोग में लाना सिखाना चाहिए।

इसके अलावा पैरेंट्स की जिम्मेदारी बच्चों को सिर्फ अच्छी सुख-सुविधाएं देना ही नहीं हैं, अनुशासन, कानून का सम्मान और जिम्मेदारी सिखाना भी है। बच्चों को यह समझाना भी है कि सोशल मीडिया पर हिट होने के लिए अपनी या किसी दूसरे की जिंदगी को खतरे में न डालें।

स्कूलों में हो डिजिटल एजुकेशन: फिजिकल एजुकेशन की तरह डिजिटल एजुकेशन भी कंपल्सरी होनी चाहिए। बच्चों को सोशल मीडिया की लत के नुकसान हैं, इनको देखने में खराब होते टाइम के बारे में समझाया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में डिजिटल सिटिजनशिप प्रोग्राम की शुरुआत करनी चाहिए। जिसमें छात्रों को ऑनलाइन सुरक्षा, नैतिकता और सकारात्मक डिजिटल फुटप्रिंट बनाए रखने के महत्व के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। बच्चों को जिम्मेदार सोशल मीडिया के उपयोग और ऑनलाइन शिष्टाचार पर मार्गदर्शन के साथ-साथ अनुचित सामग्री साझा करने के परिणामों के बारे में जानकारी देनी चाहिए।

माइंडफुल प्रैक्टिस है जरूरी: उन ट्रिगर्स से अवगत रहें, जो रील के अत्यधिक उपयोग का कारण बनते हैं। डिजिटल गैजेट्स का समझदारी से उपयोग करें। ताकि प्रोडक्टिव रहें और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखें।

करें सेल्फ कंट्रोल एक्सरसाइज: अपना फोन अपने से 15 फीट दूर चार्ज करें और संभव हो तो आप जिस रूम में हों, वहां चार्ज न करें। यह डिस्टेंस आपको फोन से अलग काम करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। फोन में फालतू के एप्स खासकर सोशल मीडिया का नोटिफिकेशन बंद कर दें। घर में कुछ जगह नियत करें जहां फोन का इस्तेमाल नहीं करना है जैसे खाना खाते समय, काम के समय या पढ़ते समय।

दूसरी एक्टिविटीज में हों शामिल: पैरेंट्स को बच्चों का रोल मॉडल बनना चाहिए। सोशल मीडिया पर निर्भरता कम करने के लिए ऑफलाइन शौक विकसित करने चाहिए और फिजिकली एक्टिव रहना चाहिए। खासकर बच्चे को फिजिकल एक्टिविटीज करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। स्पोर्ट्स से वो हार-जीत की भावना तो सीखता ही है, शारीरिक, मानसिक तौर पर फिट रहता है।

नींद को महत्व दें: सोने का समय निर्धारित करें और सोने से करीब एक घंटा पहले स्क्रीन से दूर रहें। ब्ल्यू लाइट फिल्टर का इस्तेमाल करें। खासकर रात को स्क्रीन पर ब्ल्यू लाइट फिल्टर लगाएं। ताकि नींद न आने की समस्या से बचाव हो सके।

लें मदद: लत पर काबू पाने के लिए मार्गदर्शन और मदद के लिए दोस्तों, परिवार या मनोचिकित्सक से संपर्क करें। *

(फोर्टिस एस्कॉर्ट हार्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली में साइकोलॉजिस्ट डॉ. भावना बर्मी से बातचीत पर आधारित)

मनोरोगों के हो रहे शिकार

आज के दौर में युवाओं के मन में दूसरों से पीछे न रह जाएं, आउटडेटेड न दिखें, टेकसेवी न कहे जाने की मानसिकता के चलते सोशल मीडिया पर फोटो या रील्स डालने का पियर प्रेशर रहता है। इसकी वजह से कई तरह की समस्याएं आती हैं। ध्यान में कमी, रील्स देखने से ध्यान और एकाग्रता में कमी होना, जरूरी काम या रचनात्मक गतिविधियों में ध्यान न लगा पाना, काल्पनिकता में जीना, दूसरों से तुलना करना और खुद को कमतर मानना, आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याएं देखी जा रही हैं। हॉर्वर्ड मेडिकल स्कूल की रिसर्च के मुताबिक सोशल मीडिया पर रील्स देखने या बनाने की लत को वैज्ञानिक मास साइकोजेनिक इलनेस कहा जा रहा है। रील्स उन्हें मनोरोगी बनाने का कारण रही है। किसी से अपने मन की बात शेयर नहीं कर पाते हैं, जिसकी वजह से उनमें स्ट्रेस, एंजाइटी, आक्रोश, गुस्सा बहुत बढ़ रहा है। नाकाम होने पर कई बार अपने को संभाल नहीं पाते और डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं।

इस बात में संदेह नहीं कि एआई तकनीक में कई तरह कमाल की क्षमताएं मौजूद हैं। जहां कुछ लोग इसका मिसयूज कर रहे हैं। वहीं बहुत से लोग इसे पॉजिटिव तरीके से यूज करके नाम कमा रहे हैं, अपने जीवन को नई दिशा दे रहे हैं। जरूरत है एआई के संयमित और सही तरीके से उपयोग करने की।

एआई का पॉजिटिव यूज कर सकता है कमाल

{ टेक्नोलाइफ / डॉ. मोनिका शर्मा }

आमतौर पर एआई के गलत इस्तेमाल के समाचार आते हैं। इसकी गलत सलाहों की भी खूब चर्चा होती है। हम सदा से सुनते आए हैं कि किसी भी वस्तु या सेवा की अच्छाई या उसके उपयोग के परिणाम इस बात से तय होते हैं कि उसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है? उसके उपयोग की मंशा क्या है? इस मोर्चे पर एआई के सही इस्तेमाल को लेकर एक टेक प्रोफेशनल हसन ने प्रेरणादायी उदाहरण सामने रखा है। हसन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की अपनी पोस्ट में बताया कि उन्होंने सिर्फ तीन महीनों में 27 किलो वजन कम कर लिया। ध्यान देने वाली बात है कि अपनी इस फिटनेस यात्रा में हसन ने चैट जीपीटी के सात प्रॉम्प्ट्स को यूज किया। जिम, सप्लीमेंट्स, पर्सनल ट्रेनर और बिना किसी महंगे फिटनेस एप के एआई की सहायता से एक सधा हुआ प्लान तैयार कर इस फिटनेस गोल को उन्होंने हासिल किया।

सकारात्मक हो इरादा: असल में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल का इरादा पॉजिटिविटी लिए हो तो परिणाम भी सकारात्मक मिलते हैं। इस मोर्चे पर यूजर्स का अनुशासन और आत्म नियमन तकनीक के मिली सुविधाओं का सार्थक इस्तेमाल करने के लिए आवश्यक है। चैट जीपीटी जैसे टूल्स मोटिवेट भी कर सकते हैं और मनोबल भी तोड़ सकते हैं। सब कुछ इस बात पर निर्भर है कि टेक्निकल सहूलियत का उपयोग कितने सधेपन से हो रहा है? कैसी जानकारियां मांगी जा रही हैं? किन विषयों पर सलाह ली जा रही है?

प्रश्न सही तो उत्तर सही: जैसा प्रश्न वैसा ही जवाब। यह बात वर्चुअल या असल सलाहों के मामले में अकसर लागू होती है। तकनीकी टूल्स के मामले में सबसे अहम यही है कि आप उनसे क्या पूछ रहे हैं? टेक प्रोफेशनल के मामले में यह बात गहराई से समझने योग्य है। सबसे पहले उन्होंने अपना वजन, उम्र, हाइट और टार्गेट डालकर चैट जीपीटी से अपने शरीर का एनालिसिस करवाया। साथ ही 12 हफ्तों का ऐसा फिटनेस और डाइट प्लान मांगा, जिसमें जिम जाने की जरूरत न पड़े। अपने रुटीन को ध्यान रखते हुए बहुत व्यावहारिक लक्ष्य रखे। खाने के लिए हाई प्रोटीन, फिक्स कैलोरी वाला साप्ताहिक प्लान का चार्ट बनाकर उसे फॉलो किया।

इस पहल पर एआई ने उन्हें डेली स्नैक्स की लिस्ट दी। इतना ही ओवरईटिंग रोकने के लिए खुद से बात करने वाले छोटे-छोटे मैसेज भी बनाए। कुल मिलाकर देखा जाए तो एआई ने जिम, महंगे खाने और भारी-भरकम रुटीन के बजाय एक ऐसी जीवनशैली का प्रारूप दिया, जिसके हिसाब से चलना मुश्किल न हो। आम जिंदगी में भी देखने में आता है कि वजन कम करना हो या कोई दूसरा लक्ष्य पाना, मुश्किल रुटीन को शुरू करने वाले लोग उसे बहुत दिन तक फॉलो नहीं कर पाते। यह वाकया बताता है कि पहले खुद अपनी एक चेकलिस्ट बनाकर तकनीकी टूल्स से मदद लेना बेहतर है। इससे मिलने वाली सही और टिकाऊ योजना न केवल लंबी चलती है बल्कि सफल भी होती है।

यूजर्स का अनुशासन अहम: एआई के इस्तेमाल में यूजर्स का अनुशासन सबसे अहम है। इन दिनों 'रेस्पोंसिबल एआई' शब्द भी चर्चा में है। इस शब्द का अर्थ उन नैतिक सिद्धांतों और शासन के नियमों से जुड़ा है, जिनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई टेक्नोलॉजीज का विकास और उपयोग इस तरह से किया जाए, जिससे समाज को लाभ हो। इनके इस्तेमाल से नुकसान कम हो। समझना कठिन नहीं यूजर्स का अनुशासन ही उपयोग को सार्थक बना सकता है। इन दिनों जब एआई के कुछ टूल्स का गलत इस्तेमाल कुछ लोग करते हैं। वहीं बहुत से लोग तकनीक के माध्यम से अपने पुरखों की तस्वीरों को नया रूप भी दे रहे हैं। अपने आइडियाज सुंदर सकारात्मक संदेश देने वाले वीडियो में ढाल रहे हैं। एआई के उपकरण दिव्यांगों की सहायता करते हैं। सिरी और एलेक्सा जैसे वर्चुअल असिस्टेंट रोजमर्रा के कई कामों को आसान बनाते हैं। कनाडा के युवा उद्यमी तुआन ले का उदाहरण भी इस मामले में एक मिसाल ही है। बिना किसी कॉलेज डिग्री या प्रोफेशनल कोर्स यूट्यूब से स्किल सीखने की जिद ने तुआन को एक कामयाब उद्यमी बना दिया। वीडियो एडिटिंग से करियर की शुरुआत करने वाले इस युवा ने यह स्किल पूरी तरह यूट्यूब से सीखी। फिर छोटे कारोबारियों के लिए बहुत कम फीस लेकर वीडियो बनाए।

कोविड काल में काम पर असर भी पड़ा पर फिर क्लाइंट बढ़ते गए। तुआन ने धीरे-धीरे अपने काम को 12 करोड़ रुपए के बिजनेस में बदल दिया। हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी 'स्किल द नेशन एआई चैलेंज' कार्यक्रम में कहा कि 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता विश्वभर की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को नया आकार दे रही है। यह हमारे सीखने, काम करने, आधुनिक सेवाओं तक पहुंचने और मानवता की सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना करने के तरीकों को बदल रही है।'

राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत जैसे युवा राष्ट्र के लिए एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि सकारात्मक बदलाव का बहुत बड़ा अवसर है। *

{ कविता / विक्रम सिंह }

आंखों की रोशनी

बस इतनी सी हसरत थी
कि बेटा पढ़-लिख जाए,
अपनी तनख्वाह से
घर का राशन ले आए।
दफ्तर जाने को
एक छोटा सा स्कूटर हो,
और बच्चों की फीस
समय पर भर पाए।
ख्वाब बस इतना था
कि शहर में उसका एक घर हो,
जिसके एक कोने में
बूढ़े बाप का छोटा सा कमरा हो।
मगर अब उसके पास
बड़ा फ्लैट, बड़ी गाड़ी है,
घर में खाना नहीं पकता
सब कुछ ऑर्डर पर आता है
पर उस आलीशान घर में
मेरा कमरा कहीं खो जाता है,
गाड़ियों के तेल के लिए पैसे हैं
पर मेरी दवा अकसर छूट जाती है
मेरी आंखों की रोशनी
धीरे-धीरे बुझ रही है,
बेटे की तरक्की
अंधेरे में उलझ रही है।

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविता में विचार

हाल में हेमंत देवलेकर का तीसरा कविता संग्रह 'प्रूफ रीडर' छपकर आया है। संग्रह में संकलित अधिकांश छोटी-छोटी कविताओं में हेमंत गहन विचारों के बीज रोपते दिखते हैं। दुनिया भर में इंसानी जीवन के समक्ष मौजूद संकटों पर दृष्टि डालते हुए कवि कहीं विचलित दिखते हैं तो कहीं छोटा-सा कोई भरोसा उनके भीतर उम्मीद की लौ भी प्रज्वलित कर देता है। 'एक नदी जिंदा चुन दी गई है/उसी का सन्नाटा है दीवार पर।' (रेत की हवस)। 'दुनिया कोरस में विलापती है/अब किसी का भरोसा नहीं रहा।' (भरोसा) जैसी पंक्तियां और 'लोरी', 'नई भूख' जैसी अनेक कविताएं हर संवेदनशील व्यक्ति को उद्वेलित करने में सक्षम हैं। *

पुस्तक: प्रूफ रीडर, लेखक: हेमंत देवलेकर, मूल्य: 250 रुपए
प्रकाशक: राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

{ साहित्य सम्मान }

हाल में ही साहित्य अकादेमी ने वर्ष 2025 के लिए हिंदी की लोकप्रिय कथाकार ममता कालिया की संस्मरणात्मक पुस्तक 'जीते जी इलाहाबाद' को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देने की घोषणा की है। ममता जी के अब तक के रचनात्मक लेखन और इस पुस्तक की विशिष्टताओं को रेखांकित कर रहे हैं **पल्लव।**

ममता कालिया को जीते जी इलाहाबाद के लिए मिलेगा साहित्य अकादेमी सम्मान

साहित्य प्रेमियों को जिस खबर का पिछले कई वर्षों से इंतजार था, वह आ गई। साहित्य अकादेमी ने वर्ष 2025 के लिए हिंदी की प्रसिद्ध कथाकार ममता कालिया को यह पुरस्कार देने की घोषणा की है। उनकी संस्मरण पुस्तक 'जीते जी इलाहाबाद' को अकादेमी का यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। हालांकि इससे पूर्व उनके उपन्यास 'दुक्खम सुक्खम', लंबी कहानी 'दौड़', शहरनामे की किताब 'कितने शहरों में कितनी बार' और 'बोलने वाली औरत' कहानी संग्रह को भी साहित्य जगत में काफी प्रतिष्ठा मिल चुकी है।

ममता जी के लेखन का सिलसिला 1963 से प्रारंभ हुआ था और तब से उनका साहित्य सृजन निरंतर जारी है। उनके लेखन की मुख्य विशेषता यह है कि वे भारतीय मध्यवर्ग के सामान्य जनजीवन को अत्यंत कुशलता से अपने लेखन में चित्रित करती हैं। वे किसी विचारधारा या वाद से आक्रांत होकर नहीं लिखतीं बल्कि खांटी जीवनानुभवों को प्रगतिशील दृष्टि से लेखन में जगह देती हैं। आश्चर्य नहीं कि उनकी दो पुस्तकों के शीर्षक 'थोड़ा-सा प्रगतिशील' और 'खांटी घरेलू औरत' उनके लेखन की प्रतिज्ञाओं को भी दर्शाते हैं। पेशे से उच्च शिक्षा में अंग्रेजी की शिक्षक रहीं ममता जी को दिल्ली, मुंबई और इलाहाबाद में काम करने के अनुभव हैं। वे वर्धा के महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की अंग्रेजी पत्रिका 'हिंदी' की संपादक रहीं और कोलकाता की भारतीय भाषा परिषद की अध्यक्ष भी रहीं। विपुल मात्रा में लेखन करने वालीं ममता जी के गद्य को सदैव रोचकता, हार्दिकता और तरलता के लिए भी प्रशंसा मिली।

उनकी जिस कृति को अकादेमी ने पुरस्कार के लिए चुना है, वह संस्मरण की किताब है। ममता जी इससे पहले 'कितने शहरों में कितनी बार', 'अंदाज-ए-बयां उर्फ रवि कथा', 'कल परसों के बरसों', 'सफर में हमसफर' जैसी किताबें भी लिख चुकी हैं, जो कथेतर विधाओं की ही कृतियां हैं। कथेतर यानी कथा जैसी वे गद्य विधाएं, जो कथा तो नहीं हैं लेकिन कथा जैसा आस्वाद देती हैं। इनमें से 'कितने शहरों में कितनी बार' को विशेष रूप से आलोचनात्मक सराहना मिली, जो पहले 'तद्भव' पत्रिका में

धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुई और जिसने एक तरह से नई विधा का सूत्रपात किया। यह विधा है-शहरनामा। ऐसा नहीं है कि इसमें वे स्मृतियों की पुनर्रचना नहीं कर रही थीं बल्कि कोई चाहे तो इसे भी संस्मरण की ही कृति मान सकता है लेकिन यहां ममता जी का जोर उस शहर के चरित्र को ध्यान में रखकर अपने अनुभव लिखने पर रहा। 'जीते जी इलाहाबाद' इस रचना श्रृंखला की उच्चतम परिणति है, जहां इलाहाबाद (प्रयागराज) जैसे सांस्कृतिक शहर के चरित्र को लिखते हुए इसके भीतर वे अपने और अपने प्रियजनों के व्यक्तित्व की तलाश भी करती हैं। हिंदी में इस तरह की कृतियां बहुत अधिक नहीं मिलतीं और नई शताब्दी में साहित्य की विधाओं में आ रहे बदलावों तथा अंतर्क्रियाओं का भी श्रेष्ठ उदाहरण ममता जी का कथेतर लेखन बन गया है। पाठकों में कथेतर के आकर्षण का मुख्य कारण है जीवन यथार्थ की अंतरंग प्रस्तुति और उसमें कथा जैसी सूत्रबद्धता या पठनीयता। हिंदी गद्य के इतिहास में संस्मरण, रेखाचित्र और जीवनियां पुरानी विधाएं हैं लेकिन नई शताब्दी में इनका चोला पूरी तरह बदला हुआ नजर आता है। अब यहां अश्रु विगलित श्रद्धांजलियां नहीं होतीं और न पुरखों का अतिरिक्त महिमामंडन।

पिछली शताब्दी के अंतिम दशक में जिन कृतियों के साथ कथेतर साहित्य के नए दौर का आगमन हुआ, उनमें रवींद्र कालिया की संस्मरण पुस्तक 'गालिब छुटी शराब,' काशीनाथ सिंह की 'याद हो कि न याद हो', दूधनाथ सिंह की 'लौट आ, ओ धार' तथा कांतिकुमार जैन की 'लौट कर आना नहीं होगा' अग्रगण्य हैं। ध्यान देना चाहिए कि संस्मरणों के साथ हिंदी साहित्य में आत्म उद्घाटन का नया दौर भी शुरू हुआ, जो आगे यात्रा आख्यानों, आत्मकथाओं, डायरियों, रेखाचित्रों, शहरनामों और जीवनियों के साथ बढ़ता गया। ममता कालिया के संस्मरण, शहरनामे और रेखाचित्र कथेतर विधाओं की शक्ति और संभावनाओं को दर्शाते हैं। उनके रेखाचित्रों की किताब 'कल परसों के बरसों' में इलाहाबाद के अनेक साहित्यकारों के व्यक्ति चित्र आए हैं।

ममता जी का जन्म 2 नवंबर 1940 को वृंदावन में हुआ। उनके पिता विद्याभूषण अग्रवाल आकाशवाणी में थे और उनके चाचा भारतभूषण अग्रवाल जाने माने कवि-लेखक। उनकी प्रारंभिक और उच्च शिक्षा दिल्ली, मुंबई, पुणे, नागपुर और इंदौर जैसे अलग-अलग शहरों में हुई। उन्हें अनेक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें व्यास सम्मान, साहित्य भूषण सम्मान, यशपाल स्मृति सम्मान, महादेवी स्मृति पुरस्कार, राममनोहर लोहिया सम्मान, कमलेश्वर स्मृति सम्मान, सावित्री बाई फुले स्मृति सम्मान, लमही सम्मान आदि प्रमुख हैं। उन्होंने हिंदी के यशस्वी कथाकार और संपादक रवींद्र कालिया से विवाह किया, जो पूरी तरह मसिजीवी थे। संघर्षों से भरा ममता जी और रवींद्र जी का जीवन इन दोनों के कथेतर साहित्य का आधार भी है। साहित्य अकादेमी का यह पुरस्कार उनके लेखन के महत्त्व की प्रतिष्ठा ही नहीं है अपितु नई शताब्दी में आ रहे बदलावों के मध्य कथेतर विधाओं के महत्व की भी उद्घोषणा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि ममता जी की किताब के बहाने कथेतर विधाओं पर नए ढंग से चर्चा शुरू होगी और जीवन यथार्थ के उद्घाटन के लिए इनके सामर्थ्य को देखा-सराहा जाएगा। *

(लेखक दिल्ली के प्रसिद्ध हिंदू कॉलेज में सह आचार्य हैं)

जम्मू-कश्मीर में स्थित माता वैष्णो देवी का मंदिर सनातन धर्मावलंबियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यूं तो इस शक्तिपीठ में साल भर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है, लेकिन नवरात्र के दौरान माता रानी के दर्शन की महत्ता और भी बढ़ जाती है। इस धार्मिक स्थल की विशिष्टताओं और इससे जुड़ी धार्मिक मान्यताओं पर एक दृष्टि।

श्रद्धा-भक्ति का अद्वितीय स्थल
माता वैष्णो देवी मंदिर

{ आस्था / वीना गौतम }

सालों में शुरू हुए रोपवे सुविधा के जरिए श्रद्धालु पहुंचते हैं। वैष्णो देवी मंदिर भारत के सबसे अधिक दर्शनीय और व्यवस्थित तीर्थस्थलों में गिना जाता है।

हालांकि नवरात्र के पावन अवसर पर 51 शक्तिपीठों में से हर शक्तिपीठ में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ता है। इस अवसर पर मां वैष्णो देवी मंदिर में भक्तों का उत्साह देखते ही बनता है। कह सकते हैं कि नवरात्र के समय यह राष्ट्रीय आस्था का सबसे स्पंदित केंद्र बन जाता है। ऐसा क्यों होता है, इसे समझने के लिए हमें वैष्णो देवी मंदिर से जुड़ी मान्यताओं, धार्मिक आस्थाओं और इसकी दिव्य भौगोलिक संरचना के बारे में समझना होगा।

जुड़ी हैं पौराणिक मान्यताएं

जम्मू-कश्मीर के कटरा से लगभग 12-13 किलोमीटर ऊपर की तरफ त्रिकूट पर्वत पर लगभग 5200 फीट की ऊंचाई पर स्थित मंदिर में मां वैष्णो देवी तीन पिंडियों (महाकाली, महालक्ष्मी, महासरस्वती) के रूप में विराजमान हैं। इस मंदिर की बहुआस्था का कारण इसकी पौराणिक और आध्यात्मिक मान्यता है। माना जाता है कि वैष्णो देवी मंदिर जिस त्रिकुटा पर्वत पर स्थित है, उसकी ही गुफा में देवी मां ने तपस्या की थी, साथ ही भैरवनाथ वध की कथा भी यहां की धार्मिक चेतना का केंद्र है।

नवरात्र में लगता है भक्तों का जमावड़ा

वैष्णो देवी मंदिर श्रद्धालुओं के आवक के हिसाब से देश के सबसे व्यस्त मंदिरों में से एक है। आमतौर पर इस मंदिर में हर साल 80 लाख से एक करोड़ के बीच लोग दर्शन के लिए आते हैं और इनमें करीब 30 से 40 प्रतिशत श्रद्धालु सिर्फ नवरात्र के समय ही आ जाते हैं, उनमें भी चैत्र नवरात्र पर विशेष रूप से सबसे ज्यादा भक्त यहां आते हैं। चैत्र नवरात्र चूंकि देवी शक्ति के जागरण का समय और देवी की उपासना का चरम काल माना जाता है। यही कारण है कि यह स्थान चैत्र नवरात्र के समय विशिष्ट आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बन जाता है।

चैत्र नवरात्र से हिंदुओं का नववर्ष प्रारंभ होता है। ऐसे में यह समय सिर्फ पूजा का नहीं बल्कि नए संकल्पों का समय भी होता है। देशभर में जब घर-घर में इन दिनों घट स्थापना होती है, तब उसका राष्ट्रीय प्रतिरूप वैष्णो देवी मंदिर के रूप में दिखता है। उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्र में स्थित यह मंदिर उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम, देश की सभी दिशाओं को आपस में जोड़ता है। जब देश के कोने-कोने से लाखों लोग आस्था के इस हृदय स्थल तक पहुंचते हैं, तब यह तीर्थस्थल भर नहीं रह जाता बल्कि राष्ट्रीय समावेशन का इंद्रधनुषी दृश्य बन जाता है।

पूर्ण होती हैं मनोकामनाएं

चैत्र नवरात्र के समय यहां आने वाले अधिकांश श्रद्धालु नए वर्ष की शुरुआत के मनोभाव से आते हैं और अपनी किसी मनोकामना या आकांक्षाओं की पूर्ति की कामना करते हैं। यहां आने वाले आस्थावान हिंदू अपने जीवन के हर संकट का समाधान खोजने के लिए मां से विनती करते हैं। नवरात्र के दौरान विशेष रूप से वैष्णो देवी मंदिर के समूचे परिक्षेत्र में विशिष्ट आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रवाह रहता है। देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालुओं की आस्था और मनोकामना-पूर्ति का विशिष्ट केंद्र बनकर उभरता है मां वैष्णो देवी मंदिर।

मंदिर तक पहुंचने के हैं कई विकल्प

वैष्णो देवी मंदिर का प्रबंधन वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड करता है। यहां पैदल, घोड़ा, पालकी, हेलीकॉप्टर और हाल के सालों में शुरू हुए रोपवे सुविधा के जरिए श्रद्धालु पहुंचते हैं। वैष्णो देवी मंदिर भारत के सबसे अधिक दर्शनीय और व्यवस्थित तीर्थस्थलों में गिना जाता है।

डिजिटल दर्शन की सुविधा

इस डिजिटल मीडिया युग में मां वैष्णो देवी मंदिर की जगमगाहट कुछ और ही निखरकर देश के कोने-कोने तक अपना उजास पहुंचा रही है। मंदिर का लाइव दर्शन, सोशल मीडिया ट्रेंड, ऑनलाइन पंजीकरण और डिजिटल कतार प्रबंधन में भी देखा जा सकता है। चैत्र नवरात्रों में यह मंदिर एक राष्ट्रीय इवेंट सेंटर की तरह उभरता है। इस दौरान देशभर के कई टीवी चैनल वैष्णो देवी मंदिर की कवरेज जरूर करते हैं।

अर्थव्यवस्था में योगदान

चूंकि कटरा और उसके आस-पास का क्षेत्र हमेशा मंदिर के तीर्थयात्रियों से भरा होता है, इसलिए इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति बेहद संपन्न है और जम्मू-कश्मीर की संपन्नता में भी इस मंदिर की एक विशिष्ट भूमिका है। नवरात्र के समय और बाकी समय भी होटल, ट्रांसपोर्ट, स्थानीय व्यापार, सब उच्चतम स्तर तक पहुंच जाते हैं। स्थानीय लोगों को हर समय यहां रोजगार उपलब्ध रहता है। इसलिए वैष्णो देवी मंदिर सिर्फ धार्मिक आस्था का ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक गतिविधि का भी एक सचल केंद्र बनकर उभरता है।

संगठित-प्रबंधित शक्तिपीठ

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार 51 शक्तिपीठ हैं, जिनमें से कुछ पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका देशों में स्थित हैं। संगठन और प्रबंधन की दृष्टि से देखा जाए तो वैष्णो देवी मंदिर को सबसे संगठित और प्रबंधित शक्तिपीठ माना जाता है। इस वजह से भी यह विशेष रूप से उत्तर भारत के मध्यवर्गीय और ग्रामीण लोगों की धर्म और संकल्प यात्रा का केंद्र बन जाता है।

वैष्णो देवी मंदिर हर सनातन धर्म के अनुयायी के धार्मिक मानस में स्थापित है। साल भर खुला रहने वाला और कठिन पर्वतीय यात्रा का अनुभव देने वाला यह मंदिर सामूहिक संकल्प और तपस्या का प्रतीक भी है। चैत्र नवरात्र के समय ये सब चीजें एक साथ सक्रिय होती हैं। इसलिए भक्तों के मन में इसका विशिष्ट स्थान है। *

वैसे तो अपने देश में शक्तिपीठों समेत मां दुर्गा के कई प्रसिद्ध मंदिर स्थित हैं। इनमें से कुछ ऐतिहासिक और अनोखे मंदिर भी हैं। कोलकाता के काशीपुर में स्थित चित्तेश्वरी सर्वमंगला मंदिर भी इनमें शामिल है। इस मंदिर की महत्ता पर एक नजर।

ऐतिहासिक-अनोखा है
चित्तेश्वरी सर्वमंगला मंदिर

{ धार्मिक स्थल / शिखर चंद जैन }

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के काशीपुर में स्थित चित्तेश्वरी सर्वमंगला मंदिर 600 वर्ष से भी अधिक पुराना है। यह मंदिर शहर के सबसे पुराने दुर्गा मंदिरों में से एक है। भक्तों की आस्था के केंद्र इस मंदिर से कई ऐतिहासिक तथ्य और किंवदंतियां जुड़ी हुई हैं। यह मंदिर सुबह 6:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और शाम 4:30 बजे से 9:00 बजे तक रोजाना खुला रहता है।

मंदिर का निर्माण

कहते हैं कि यह मंदिर मूल रूप से अपराध की दुनिया से समाज की मुख्य धारा में लौटे एक डाकू, चित्ते डकैत द्वारा बनवाया गया था। इस डकैत को सपने में नीम की लकड़ी से देवी दुर्गा की प्रतिमा बनाने का आदेश प्राप्त हुआ था। यह मूर्ति आज भी मंदिर में विद्यमान है। चित्ते की मृत्यु के बाद मंदिर को कई वर्षों तक लगभग भुला दिया गया। सन 1586 में एक साधु नरसिंह ब्रह्मचारी ने इसे फिर से खोजा और 1610 में मनोहर घोष ने इसे दोबारा बनवाया, जो वर्तमान रूप में मौजूद है। मंदिर की देखभाल की जिम्मेदारी बाद में रॉय चौधुरी परिवार को सौंपी गई, जो आज भी इसका प्रबंधन करते हैं। वर्तमान में, काशीश्वर रॉय चौधुरी मंदिर के प्रबंधन की देख-रेख करते हैं।

ऐतिहासिक-सांस्कृतिक महत्व

चित्तेश्वरी सर्वमंगला मंदिर का बहुत अधिक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है। देखा जाए तो इस मंदिर का इतिहास कोलकाता से भी पुराना है, क्योंकि कोलकाता की आधिकारिक स्थापना से कई दशक पूर्व इस मंदिर की स्थापना हो गई थी। यह मंदिर कोलकाता के प्रारंभिक इतिहास और स्थानीय लोककथाओं का हिस्सा रहा है, जो इसे एक अनोखा और रहस्यमय स्थल बनाता है। यह मंदिर डाकुओं द्वारा पूजे जाने के लिए भी जाना जाता है, जो आमतौर पर देवी काली की भक्ति करते थे।

मंदिर में मौजूद प्रतिमाएं

इस मंदिर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा नीम की लकड़ी से बनी है और इसमें 10 हाथ हैं। प्रतिमा में मां दुर्गा एक सफेद सिंह पर सवार हैं, जो महिषासुर को काट रहा है, उनके पास एक बाघ भी है, जो उस समय के जंगली वातावरण को दर्शाता है। हर साल इस प्रतिमा पर रंग-रोगन किया जाता है ताकि इसकी सुरक्षा और रख-रखाव सुनिश्चित हो सके। मंदिर में शीतला माता की प्रतिमा भी है। यहां मां दुर्गा के साथ ही बहुत बड़ी संख्या में श्रद्धालु, शीतला माता की पूजा के लिए भी आते हैं। इनके अलावा इस मंदिर में कुछ अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं भी हैं। इनमें भगवान शिव, हनुमानजी, जगन्नाथजी, बलरामजी, सुभद्राजी, राधाजी और कृष्णजी के अलावा लोकनाथ बाबा की प्रतिमाएं भी शामिल हैं।

उत्कृष्ट वास्तुशिल्प

यह एक शांत प्रार्थना स्थल है, इस मंदिर का परिसर शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण प्रदान करता है। मंदिर की बाहरी दीवारों को पीले और लाल रंग से रंगा गया है। मंदिर का केंद्र एक विशाल नट मंदिर है, जो मां दुर्गा की प्रतिमा के सामने स्थित है। मंदिर के पिछले हिस्से में एक श्मशान है, जिसमें सदियों पुराना एक नीम का पेड़ है, जो किसी दौर में तांत्रिकों द्वारा उपयोग किया जाता था। लगभग 6800 वर्ग फीट के क्षेत्र में फैला यह मंदिर पारंपरिक बांग्ला मंदिर शैली का उत्कृष्ट उदाहरण है।

नवरात्र में होती है विशेष पूजा

यहां दैनिक के साथ ही त्योहारों के दौरान विशेष पूजा उत्सव मनाए जाते हैं। नवरात्रों के दौरान मंदिर को भव्य तरीके से सजाया जाता है। इस दौरान भारी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में दर्शन करने आते हैं। *

{ उपयोगी पेड़ / वीना }

आर्थिक रूप से फायदेमंद
स्ट्रॉबेरी की खेती

दिखने में खूबसूरत, स्वादिष्ट, पौष्टिक और थोड़ा महंगा बिकने वाला स्ट्रॉबेरी फल का झाड़ीनुमा पेड़ आकार में छोटा होने के बावजूद किसानों के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद होता है।

स्ट्रॉबेरी के पौधे की विशेषताएं: इनके पौधे की ऊंचाई 6 से 8 इंच तक ही होती है। इसका वैज्ञानिक नाम फ्रैगेरिया अनानासा है। यह रोजेसी यानी गुलाब कुल का पौधा है। इसकी प्रकृति बहुवर्षीय है, लेकिन व्यवसायिक खेती में पौधे को हर दो या तीन साल में बदलना पड़ता है। एक पौधे से सामान्यतः 150 से 400 ग्राम तक फल मिलते हैं। इसके लिए ठंडी जलवायु, अनुकूल होती है। ठंडी रात और हल्की धूप इसकी मिठास को बढ़ाती है। स्ट्रॉबेरी के पौधे के लिए दोमट मिट्टी अच्छी होती है।

अपने देश में महाराष्ट्र के महाबलेश्वर, पुणे, सतारा, हिमाचल प्रदेश के शिमला, सोलन, उत्तराखंड के नैनीताल, देहरादून, कर्नाटक के चिकमंगलुरु, कोडागू, जम्मू-कश्मीर के बारामूला, पुलवामा समेत उत्तर पूर्वी राज्य मेघालय, नागालैंड में इसकी खेती होती है। हाल के सालों में मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार, पंजाब और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी छोटे स्तर पर स्ट्रॉबेरी की खेती के प्रयोग हुए हैं।

इन बातों का रखें ध्यान: स्ट्रॉबेरी की खेती से किसान अच्छी इनकम कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए खेती की सही योजना, सही तकनीक का इस्तेमाल और बाजार से सही तरह का कारोबारी जुड़ाव होना जरूरी है। स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए आदर्श तापमान 18 से 26 डिग्री सेंटीग्रेड होता है। पहाड़ी क्षेत्र, ऊंचे पठार और ठंडे मैदानी इलाके इसकी खेती के लिए सबसे उपयुक्त हैं। अगर आप गर्म और ह्यूमिड परिस्थितियों में स्ट्रॉबेरी खेती करना चाहते हैं, तो ग्रीन हाउस या पोली हाउस में ही यह संभव है। स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए उच्च गुणवत्ता वाले नर्सरी के रोगमुक्त पौधे होने जरूरी हैं। तभी बेहतर किस्म, बेहतर आकार, बेहतर रंग और मिठास की स्ट्रॉबेरी मिलती है। स्ट्रॉबेरी के लिए जरूरी है प्लास्टिक मल्चिंग और ड्रिप सिंचाई तकनीक अपनाई जाए। इससे नमी बनी रहती है, खरपतवार कम होते हैं और फल साफ और आकर्षक लगते हैं। साथ ही इससे उत्पादन 20 से 30 फीसदी बढ़ जाता है। स्ट्रॉबेरी से किसान भरपूर फायदा तभी उठा सकते हैं, जब वे महज ताजा फल बेचने तक सीमित न रहें बल्कि वैल्यू एडिशन के जरिए स्ट्रॉबेरी जैम, जूस/स्क्वैश, पल्प, फ्रोजन स्ट्रॉबेरी, आइसक्रीम व बेकरी को सप्लाई की जाए। क्योंकि प्रोसेसिंग के बाद स्ट्रॉबेरी अपनी फल वाली कीमत के 3 से 4 गुना महंगी हो जाती है। *

{ कला जगत / अंजू जैन }

रंगमंच यानी थिएटर मनोरंजन की सबसे पुरानी विधाओं में से एक है। प्राचीन काल से ही दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में किसी न किसी रूप में रंगमंच मौजूद रहा है। आज भी देश-दुनिया में अलग-अलग प्रकार की नाट्य विधाएं प्रचलित हैं। विश्व रंगमंच दिवस (27 मार्च) के अवसर पर इसके विभिन्न स्वरूपों पर एक नजर।

कला और मनोरंजन का
जीवंत स्वरूप है रंगमंच

रंगमंच यानी थिएटर न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह हमारी सभ्यता का प्रतिबिंब भी है। भारत में रंगमंच की जड़ें लगभग पांच हजार वर्ष पुरानी मानी जाती हैं, जो संस्कृति और परंपराओं से गहरी जुड़ी हुई हैं। इसका मूल ऋग्वेद के संवादों से माना जाता है। भारत ही नहीं विश्व के विभिन्न रंगमंच स्वरूप हमें यह सिखाते हैं कि भाषा या संस्कृति भले ही अलग हो, लेकिन मानवीय भावनाएं- प्रेम, क्रोध, भय और हास्य, पूरी दुनिया में एक जैसी हैं। हर साल 27 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व रंगमंच दिवस इसी विविधता और एकता का उत्सव है। हालांकि रंगमंच के क्षेत्र में बदलते दौर के साथ तकनीक एवं अन्य कई स्तरों पर बदलाव हुए हैं, लेकिन यह आज भी लोगों को खूब पसंद आता है।

पहला ग्रंथ और नाट्यशाला: रंगमंच से संबंधित पहला ग्रंथ भारत में ही लिखा गया। भरत मुनि द्वारा रचित 'नाट्यशास्त्र' को विश्व में नाट्यकला पर लिखा गया पहला औपचारिक ग्रंथ माना जाता है। भारतीय परंपराओं में 'नाट्यशास्त्र' को 'पंचम वेद' (पांचवां वेद) भी कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी कलाओं और ज्ञान का समावेशन है। छत्तीसगढ़ के रामगढ़ पहाड़ पर स्थित सीतावांगा गुफा को भारत का सबसे पुरानी नाट्यशाला यानी थिएटर माना जाता है। माना जाता है कि यहीं महाकवि कालिदास ने नाट्य परंपरा की शुरुआत की थी। इस तरह देखा जाए तो दुनिया की पहली नाट्यशाला की स्थापना भारत में ही हुई थी। भारतेंदु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिंदी साहित्य और रंगमंच का जनक माना जाता है। भारत में प्राचीन और मध्यकालीन रंगमंच मुख्य रूप से रामायण, महाभारत और स्थानीय लोक गाथाओं पर आधारित होते थे।

मुंबई में स्थित पृथ्वी थिएटर

कई कलाओं का संगम: रंगमंच को एक समग्र कला माना जाता है क्योंकि इसमें पेंटिंग, डांस, संगीत और अभिनय जैसी कई विधाएं एक साथ शामिल होती हैं। थिएटर को 'जीवंत कला' भी कहा जाता है क्योंकि यह दर्शकों के सामने सीधे मंचित होता है। औपनिवेशिक काल के दौरान भारतीय कलाकारों ने थिएटर को ब्रिटिश शासन के खिलाफ राष्ट्रवाद फैलाने के माध्यम के रूप में भी इस्तेमाल किया था। भारत में 20 से अधिक क्षेत्रीय थिएटर शैलियां हैं, जैसे यक्षगान (कर्नाटक), जात्रा (बंगाल), भवाई (गुजरात) आदि। हमारे देश में नाटक के रामलीला, नौटंकी जैसे स्वरूप भी प्रचलित हैं।

विश्व प्रसिद्ध है जापान की नाट्यकला

कर्नाटक का नृत्य-नाट्य यक्षगान

भारतीय रंगमंच अकसर आदर्शवाद के करीब होता है, जबकि पश्चिमी थिएटर जीवन की कठोर वास्तविकता को दिखाने पर अधिक केंद्रित रहता है। 19वीं शताब्दी में पारसी थिएटर ने भारतीय और पश्चिमी शैलियों का मिश्रण पेश किया, जो आगे चलकर बॉलीवुड (हिंदी फिल्मों) के लिए आधार बना।

थिएटर और विद्यालय की स्थापना: बीसवीं सदी के चौथे दशक में पृथ्वीराज कपूर ने 'पृथ्वी थिएटर' की स्थापना की थी, जिसका उद्देश्य सामाजिक और राजनीतिक विषयों को मंच प्रदान करना था। आगे चलकर नई दिल्ली में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) की स्थापना हुई, जो भारत में रंगमंच की शिक्षा के लिए सबसे प्रतिष्ठित संस्थान माना जाता है। एनएसडी से ही ओम पुरी, इरफान खान और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे कई दिग्गज फिल्म एक्टर्स निकले हैं।

कुछ प्रसिद्ध-रोचक रंगमंच स्वरूप: पूरी दुनिया में रंगमंच के विविध रूप प्रचलित हैं। कुछ देशों के प्रसिद्ध और रोचक रंगमंच स्वरूपों के बारे में यहां बता रहे हैं।

नोह और काबुकी, जापान: जापान का नोह थिएटर अपनी सादगी और आध्यात्मिक गहराई के लिए जाना जाता है। इसमें कलाकार लकड़ी के मुखौटे पहनकर बहुत धीमी और नपी-तुली गति से अभिनय करते हैं। इसके विपरीत, काबुकी बेहद भव्य और ऊर्जावान होता है। इसमें कलाकार चटक मेकअप, भारी वेशभूषा और नाटकीय भाव-भंगिमाओं का उपयोग करते हैं, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देता है।

ओपेरा और कॉमेडिया डेल'आर्टे, इटली: इटली को ओपेरा का जन्मस्थान माना जाता है, जहां कहानी को संगीत और गायन के माध्यम से सुनाया जाता और मंचित किया जाता है। पुनर्जागरण काल का कॉमेडिया डेल'आर्टे भी विश्व प्रसिद्ध है, जिसमें कलाकार कुछ चरित्रों के मुखौटे पहनकर तात्कालिक संवाद बोलते हैं।

पेकिंग ओपेरा, चीन: यह गायन, संवाद, नृत्य और कलाबाजी का एक अद्भुत मिश्रण है। चीन में प्रचलित रंगमंच के इस प्रकार में कलाकारों का रंगीन मेकअप, उनके चरित्र (नायक, खलनायक या विदूषक) को दर्शाता है।

चीन का लोकप्रिय नाट्य रूप पेकिंग ओपेरा

वेयांग कुलित, इंडोनेशिया: यह छाया कठपुतली का एक प्राचीन रूप है, जो जावा और बाली द्वीपों में प्रचलित है। इसमें चमड़े की कठपुतलियों को प्रकाश के सामने रखकर पर्दे पर उनकी छाया से पौराणिक कथाएं प्रदर्शित की जाती हैं।

ब्रॉडवे, अमेरिका: अमेरिका के न्यूयॉर्क में स्थित ब्रॉडवे को म्यूजिकल थिएटर का गढ़ माना जाता है। यहां प्रदर्शित होने वाले 'द लॉयन किंग' और 'अलादीन' जैसे ड्रामा शोज अपनी तकनीकी भव्यता और मोहक संगीत के कारण दुनिया भर के पर्यटकों और नाटकप्रेमियों को आकर्षित करते हैं। *

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / कीर्तिशेखर }

इंफॉर्मेशन और डिस्ट्रैक्शन की भरमार वाले इस दौर में शांत रहना और सही निर्णय लेना एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे में ब्रेन मैनेजमेंट बहुत जरूरी हो गया है। क्या है ब्रेन मैनेजमेंट और यह आधुनिक जीवनशैली में क्यों आवश्यक है, जानिए।

आधुनिक जीवनशैली में जरूरी है ब्रेन मैनेजमेंट

आज का युग सिर्फ बेशुमार इंफॉर्मेशन का दौर ही नहीं है बल्कि यह सबसे अधिक डिस्ट्रैक्शन का दौर भी बन चुका है। एक औसत व्यक्ति दिन में चार से पांच घंटे मोबाइल स्क्रीन पर बिता रहा है और हर कुछ मिनट में उसका ध्यान किसी नोटिफिकेशन, मैसेज या वीडियो से टूट जाता है। इसका सीधा असर उसके दिमाग की सबसे महत्वपूर्ण क्षमता यानी ध्यान, निर्णय लेने की शक्ति और मानसिक ऊर्जा पर पड़ता है। इस समस्या का प्रभावी समाधान है ब्रेन मैनेजमेंट।

क्या होता है ब्रेन मैनेजमेंट: ब्रेन मैनेजमेंट का अर्थ है अपने दिमाग की कार्यप्रणाली, ध्यान, भावनाओं, ऊर्जा और सोचने की क्षमता को समझकर उन्हें वैज्ञानिक तरीके से नियंत्रित और बेहतर करना। हमारा दिमाग दिनभर हजारों विचार पैदा करता है, इनमें से कई विचार अनावश्यक, नकारात्मक या ध्यान भटकाने वाले होते हैं। ब्रेन मैनेजमेंट का उद्देश्य इन विचारों को नियंत्रित करना, ध्यान को सही दिशा में केंद्रित करना और मानसिक ऊर्जा को सही काम में लगाना होता है।

कैसे करें ब्रेन मैनेजमेंट: ब्रेन मैनेजमेंट मुख्यतः चार तत्वों पर आधारित होता है- ध्यान नियंत्रण, भावनाओं पर नियंत्रण, मानसिक ऊर्जा का प्रबंधन और विचारों की जागरूकता। वास्तव में आज के जमाने में हम सब चीजें न तो पढ़ सकते हैं, न देख सकते हैं, न सीख सकते हैं, इसलिए प्रथम चरण के अंतर्गत हमें किसी एक चीज पर ध्यान फोकस करना होता है और बाकी चीजों को नजरअंदाज करना होता है। दूसरे चरण में तनाव, गुस्सा, डर और चिंता को नियंत्रित करना होता है। ब्रेन मैनेजमेंट के तीसरे चरण के तहत हम अपने दिमाग की ऊर्जा को सही समय पर सही काम में लगाएं। अगर ये तीन चरण आसानी से कर लिए तो चौथा चरण अपने विचारों को पहचानना और उन्हें सकारात्मक दिशा देना होता है। वास्तव में ये चार मुख्य बातें ही ब्रेन मैनजमेंट का संपूर्ण सार होती हैं।

ब्रेन मैनेजमेंट क्यों है जरूरी: आज लगभग हर व्यक्ति हर दिन सैकड़ों नोटीफिकेशन, वीडियो और मैसेज से घिरा रहता है। इससे दिमाग लगातार अटेंशन स्विचिंग करता रहता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि बार-बार ध्यान बदलने से दिमाग की गहराई से सोचने की क्षमता कमजोर होती है। ब्रेन मैनेजमेंट इस समस्या का समाधान देता है। यह सिखाता है कि कैसे ध्यान को स्थिर रखा जाए और दिमाग को अनावश्यक भटकने से बचाया जाए।

तनाव को भी करता है कम: वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) और विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य रिपोर्टों के अनुसार आज चिंता और तनाव सबसे बड़ी मानसिक व्याधियां बन गई हैं। करियर, आर्थिक दबाव, सामाजिक तुलना और अनिश्चित भविष्य के कारण दिमाग का लगातार तनाव की स्थिति में रहना, इस सबके कारण आधुनिक जीवन में तनाव और चिंता में जबरदस्त बढ़ोत्तरी हुई है। ऐसे में ब्रेन मैनेजमेंट तकनीकों जैसे मेडिटेशन, श्वास अभ्यास यानी ब्रीदिंग एक्सरसाइज और माइंड फुलनेस से नर्वस सिस्टम शांत होता है और इससे तनाव कम होता है।

बढ़ाइए दिमाग की क्षमता: न्यूरो साइंस के मुताबिक हमारा दिमाग न्यूरो प्लास्टिक होता है। इसका मतलब यह है कि दिमाग खुद को बदल सकता है और नई-नई क्षमताएं विकसित कर सकता है। इसलिए जब व्यक्ति नियमित रूप से ध्यान, पढ़ाई और फोकस आधारित कार्य करता है, तो दिमाग में न्यूरल कनेक्शन मजबूत होते हैं। इससे याद्दाश्त मजबूत होती है, निर्णय क्षमता बढ़ती है और समस्याओं के समाधान की हमारी क्षमता बढ़ जाती है। ब्रेन मैनेजमेंट इसी न्यूरो प्लास्टिसिटी का उपयोग करता है। *